राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर,शुक्रवार, 22 मई 2026
वर्ष 14,अंक 43, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

दबंगों का कहर: पति-पत्नी पर लाठी-डंडों से हमला, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज...03

क्या 'धुरंधर-2' में सेना के ऑपरेशन की जानकारी उजागर हुई?...04

डॉक्टर मनोज शिरुरे हिरासत में और रडार पर आलोक मॉड्यूल
NEET पेपर लीक में CBI के हाथ अब तक क्या लगा?

देश भर में सुर्खियों में आए NEET-UG 2026 पेपर लीक मामले में महाराष्ट्र कनेक्शन लगातार गहराता जा रहा है. CBI की जांच में अब नागपुर मॉड्यूल, कोचिंग नेटवर्क, करोड़ों की संपत्तियां और कथित हाई-प्रोफाइल रैकेट के कई चौंकाने वाले पहलू सामने आ रहे हैं. जांच एजेंसियों के मुताबिक, नागपुर का संदिग्ध आलोक इस पूरे नेटवर्क का विदर्भ का अहम चेहरा बनकर उभरा है. उधर, NEET पेपर लीक मामले में महाराष्ट्र में एक और बड़ी कार्रवाई हुई है. सीबीआई ने डॉक्टर मनोज शिरुरे को पुणे से हिरासत में लिया है. मनोज पर लीक पेपर खरीदने का आरोप है. इससे पहले बुधवार को सीबीआई ने लातूर स्थित उनके अस्पताल में तीन घंटे पूछताछ की थी. बात करें आलोक की तो सीबीआई लगातार इससे पूछताछ कर रही है. नागपुर में सीबीआई की एक टीम है जबकि चंद्रपुर के ब्रह्मपुरी में भी सीबीआई की एक टीम ने तीन छात्रों से पूछताछ की, जिन्होंने इस साल नीट एग्जाम दिया है. सीबीआई को शक है कि आलोक और उसके नेटवर्क ने नागपुर, चंद्रपुर, नांदेड़ और छत्रपति संभाजीनगर के कई संपन्न परिवारों के छात्रों तक लीक प्रश्नपत्रिका पहुंचाई. अपना ये पूरा नेटवर्क आलोक गुरु नाम से चलता था.

लीग्राम पर गुरु नाम से ग्रुप

सूत्रों के अनुसार, आरोपी टेलीग्राम पर गुरु नाम से ग्रुप चलाता था. इसी प्लेटफॉर्म के जरिए प्रश्नपत्रिका की क्ष्ठस्न फाइल शेयर की जाती थी. जांच एजेंसी का दावा है कि 10-10 छात्रों के समूह बनाकर पेपर पहुंचाया जाता था और इसके लिए 10 लाख से 15 लाख रुपये तक वसूले गए. सीबीआई को

शक है कि इस नेटवर्क के जरिए सैकड़ों छात्रों तक पेपर पहुंचाया गया. हालांकि, कुल कितने छात्रों को ये लीक पेपर मिले इसका सही आंकड़ा सीबीआई पता लगा रही है लेकिन सूत्रों के अनुसार ये आंकड़ा 1 हजार के करीब हो सकता है क्योंकि आलोक के इस गुरु नाम के नेटवर्क में विदर्भ और मराठवाड़ा के कई कोचिंग क्लास, कई मेडिकल कॉलेज और स्टूडेंट्स एजेंट्स के रूप में जुड़े हुए थे. एजेंसी ने नागपुर और चंद्रपुर में आलोक नेटवर्क से जुड़े 6 छात्रों के घरों पर छापेमारी भी की है.

पुणे से राजस्थान तक पहुंचा पेपर

जांच में यह भी सामने आया है कि प्रश्नपत्रिका पुणे से गुरुग्राम के जरिए राजस्थान तक पहुंचाई गई. एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस रैकेट में और किन राज्यों के लोग शामिल थे. इस पूरे मामले का सबसे बड़ा और चौंकाने वाला नाम शिवराज मोटेगांवकर का है. साल 2024 में NEET पेपर लीक के खिलाफ छात्रों की ओर से जनहित याचिका दायर करने वाले मोटेगांवकर को अब 2026 के पेपर लीक मामले में आरोपी बनाया गया है. मोटेगांवकर ने 2024 मैं नीट पेपर लीक को लेकर खूब आंदोलन किया था और आरोप है कि बाद में वो इसी पेपर लीक नेटवर्क से जुड़ गया और खुद पेपर लीक करने लगा. CBI के मुताबिक, मोटेगांवकर के मोबाइल फोन से कथित लीक प्रश्नपत्रिका बरामद हुई है. इसके बाद उसका पुराना वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें वो छात्रों के लिए न्याय की मांग करते नजर आ रहा है. जांच एजेंसियों का मानना है कि वन-ऑन-वन मेंटरिंग जैसे विशेष कोर्स की आड़ में चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्रिका पहुंचाई गई हो सकती है.

मोटेगांवकर के बेटे, पत्नी और डॉक्टरों से पूछताछ

मोटेगांवकर की गिरफ्तारी के बाद CBI ने उसके बेटे और पत्नी को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है. एजेंसी को शक है कि इस साल 12वीं की परीक्षा देने वाले उसके बेटे को भी पेपर लीक का फायदा मिला हो सकता है. इसके अलावा लातूर और नांदेड़ में चार डॉक्टरों से भी पूछताछ की जा रही है. आरोप है कि ये लोग मोटेगांवकर के करीबी थे और कथित तौर पर पेपर लीक नेटवर्क में मददगार की भूमिका निभा रहे थे. वहीं शिवराज मोटेगांवकर के RCC क्लासेस पर कार्रवाई तेज कर दी गई है. पुणे में आरसीसी कोचिंग क्लास के अवैध निर्माण पर पुणे मनपा ने कार्रवाई की है. लातूर में RCC क्लासेस के बाहर भारी पुलिस बंदोबस्त तैनात किया गया है. फीस जमा कर चुके छात्र और अभिभावक लगातार क्लासेस के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन संस्थान बंद है. कई जगह छात्रों और स्थानीय संगठनों में नाराजगी भी देखने को मिल रही है. सूत्रों के मुताबिक, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) ने भी आंदोलन की चेतावनी दी है. कुछ स्थानों पर RCC क्लासेस के बाहर अंडे फेंके जाने की घटनाएं भी सामने आई हैं. जांच एजेंसियों के अनुसार, संस्थान के 7 कर्मचारी महत्वपूर्ण दस्तावेज लेकर फरार बताए जा रहे हैं. अब इस मामले में आर्थिक और निर्माण संबंधी अनियमितताओं की भी जांच शुरू हो गई है. पुणे में मोटेगांवकर के कोचिंग क्लासेस के कथित अवैध निर्माण पर बुलडोजर कार्रवाई की गई है, जबकि कुछ परिसरों को सील भी किया गया है. लातूर में RCC क्लासेस से जुड़े मेडिकल कॉलेज प्रोजेक्ट पर भी सवाल उठे हैं.

डॉक्टर मनोज शिरुरे पर क्या आरोप?

लातूर के बाल रोग विशेषज्ञ मनोज शिरुरे पर आरोप है कि उन्होंने अपने बेटे के लिए कथित तौर पर लीक प्रश्नपत्रिका खरीदी थी. CBI इस एंगल से जांच कर रही है कि लाभार्थी छात्रों और उनके अभिभावकों की क्या भूमिका थी.सूत्रों के अनुसार, CBI ने पहले लातूर में उनके अस्पताल और अन्य ठिकानों पर पूछताछ की थी, जिसके बाद उन्हें पुणे से हिरासत में लिया गया. बताया जा रहा है कि इस मामले में यह पहली बार है जब किसी अभिभावक की गिरफ्तारी हुई है.इस पूरे मामले में शिवराज मोटेगांवकर और कथित नागपुर मॉड्यूल की भी जांच जारी है. ष्ट्वद्ध अब छात्रों, अभिभावकों, कोचिंग नेटवर्क और वित्तीय लेन-देन की कड़ियां जोड़ने में जुटी है.

दोस्त की हत्या का बदला, मां-बेटे का कत्ल...
24 घंटे में 6 मर्डर से दहला दिल्ली-NCR

दिल्ली-एनसीआर में बीते 24 घंटे में हत्या की कई सनसनीखेज वारदातें सामने आई हैं. कहीं मां-बेटे की हत्या हुई, तो कहीं संपत्ति विवाद और पुरानी रंजिश में खून बहा. नोएडा से लेकर रोहिणी और गोविंदपुरी तक हत्या की घटनाओं से सनसनी फैल गई. पिछले 24 घंटे में दिल्ली-एनसीआर में कम से कम 6 लोगों की हत्या की वारदात सामने आई है. दिल्ली, रोहिणी, गोविंदपुरी और ग्रेटर नोएडा समेत कई इलाकों में हुई इन घटनाओं के बाद पुलिस अलर्ट मोड पर है.

गोविंदपुरी में मां-बेटे की हत्या

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में देर रात घर में घुसकर मां और 13 वर्षीय बेटे की चाकू मारकर हत्या कर दी गईच. मृतकों की पहचान शारदा साहू और उनके बेटे कुशल के रूप में हुई है. घटना उस समय सामने आई जब मृतका का पति विष्णु साहू रात करीब 12:30 बजे घर लौटा.घर के अंदर दोनों के शव खून से लथपथ पड़े मिले. शवों पर धारदार हथियार से कई वार किए गए थे. पुलिस जांच में अलमारी से नकदी और जेवर गायब मिले हैं, जिससे लूट के इरादे से हत्या की आशंका जताई जा रही है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

रोहिणी में दो नाबालिगों की हत्या

रोहिणी जिले के अमन विहार इलाके में खूनी संघर्ष के दौरान दो नाबालिग किशोरों की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई. मृतकों की पहचान जॉनी और मयंक के रूप में हुई है. पुलिस ने मुख्य नाबालिग आरोपी को

हिरासत में लेकर हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है. पुलिस के मुताबिक मृतक जॉनी और मयंक अपने एक अन्य साथी दिनेश के साथ सुल्तानपुरी इलाके से अमन विहार गए थे. वह वहां रितेश नाम के एक युवक की तलाश में हथियार लेकर पहुंचे थे. कुछ समय पहले सुल्तानपुरी इलाके में एक हत्या हुई थी, जिसमें जॉनी और मयंक को शक था कि रितेश ने आरोपी आरोपियों को अपने घर छिपाया है. इसी का बदला लेने के लिए तीनों अमन विहार की गलियों में रितेश को ढूंढ रहे थे. इस दौरान महिला और उसे बेटे के विवाद हो गया, तो जॉनी ने अपने साथियों के साथ उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिसके बाद आसपास ने उन्हें दौड़ा दिया. इस दौरान एक नाबालिक ने चाकू से दोनों की हत्या कर दी.

संपत्ति विवाद में चाचा की मौत

पश्चिमी दिल्ली के सुभाष प्लेस इलाके में संपत्ति विवाद को लेकर चाचा-भतीजे के बीच हिंसक झड़प हो गई. इस दौरान चाचा राजेश की मौत हो गई, जबकि भतीजा दीपक गंभीर रूप से घायल हो गया. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं घायल दीपक का इलाज चल रहा है. पुलिस के अनुसार पारिवारिक संपत्ति को लेकर दोनों में पहले से विवाद था. घटना सुभाष प्लेस थाना क्षेत्र के जेजे कॉलोनी की है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.

ग्रेटर नोएडा में युवक की गोली मारकर हत्या

ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र के वैदपुरा गांव में ड्यूटी पर जा रहे युवक दीपक नागर की बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी गई. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है. पुलिस ने मुठभेड़ के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. अभी हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है. मामले की जांच के लिए डीसीपी ने दो टीमों का गठन किया है.

संक्षिप्त ख़बरें

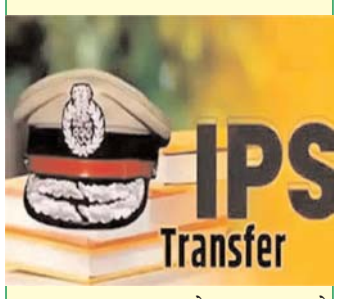

यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल: 9 IPS अफसरों का सरकार ने किया तबादला, देखें लिस्ट

लखनऊः उत्तर प्रदेश सरकार ने बुधवार देर रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के नौ वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले कर दिए। शासन ने 1994 बैच के तीन वरिष्ठ डीजी रैंक के अधिकारियों समेत एडीजी स्तर के अधिकारियों को नई तैनाती दी है। जय नरायन सिंह पुलिस महानिदेशक/एडीजी, यूपी पॉवर कॉरपोरेशन लि. से हटाकर पुलिस महानिदेशक, आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन लखनऊ बनाया गया। ध्रुव कान्त ठाकुर डीजी नागरिक सुरक्षा व विशेष सुरक्षा बल के अतिरिक्त प्रभार से हटाकर पुलिस महानिदेशक, होमगार्ड, लखनऊ बनाया गया। साथ में डीजी नागरिक सुरक्षा का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा। बिनोद कुमार सिंह को डीजी सीआईडी व साइबर क्राइम के अतिरिक्त प्रभार से हटाकर अब डीजी सीआईडी के साथ डीजी साइबर क्राइम व डीजी यूपी-112 का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। आलोक सिंह को एडीजी कानपुर जोन से हटाकर डीजी, पीएसी मुख्यालय लखनऊ बनाया गया। साथ में डीजी विशेष सुरक्षा बल का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया। अनुपम कुलश्रेष्ठ को एडीजी आगरा जोन से हटाकर एडीजी कानपुर जोन, कानपुर भेजी गई जबकि सतीश गणेश को एडीजी यातायात एवं सड़क सुरक्षा से अब उन्हें एडीजी अपराध का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। डॉ आर के स्वर्णकार को एडीजी पीएसी मुख्यालय से हटाकर एडीजी, यूपी पॉवर कॉरपोरेशन लि. लखनऊ बनाया गया है । एस के भगत एडीजी अपराध से हटाकर एडीजी आगरा जोन, आगरा की जिम्मेदारी दी गई। गीता सिंह को पुलिस महानिरीक्षक, अभियोजन से हटाकर पुलिस महानिरीक्षक, प्रशिक्षण निदेशालय, लखनऊ बनाया गया है ।

6 दिन बंद रहेगा देश का सबसे बड़ा बैंक, ऑनलाइन सेवाएं तुरंत निपटा लें जरूरी काम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दैनिक जीवन में बैंक का बड़ा रोल होता है, हम अपने जरुरतों के लिए कभी बैंक या एटीएम से पैसे निकालकर खरीददारी करते है। अगर बैंक और एटीएम बंद हो जाए तो काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसी बीच एक बड़ी खबर सामने आई है कि स्क्क्ष् बैंक 23-28 मई तक बंद रहेगा। अगर आपका भी इस बैंक में खाता है तो इससे पहले ही जरुरी काम निपटा लें, नहीं तो भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल इस दौरान वीकेंड, प्रस्तावित हड़ताल और ईद-उल-अज़हा की छुट्टियों के कारण बैंकिंग सेवाओं पर असर पड़ने की संभावना है। हालांकि ग्राहकों को घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि ऑनलाइन बैंकिंग सेवाएं सामान्य रूप से जारी रहेंगी। ग्राहक नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई और एटीएम जैसी सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकेंगे. लेकिन ब्रांच से जुड़े कामों के लिए ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

जानें क्यों बंद रहेगा बैंक

23 मई को महीने का चौथा शनिवार और 24 मई का रविवार होने के कारण सप्ताहिक अवकाश रहेगा। इसी के साथ 25 और 26 मई को ऑल इंडिया स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ फेडरेशन की ओर से 2 दिन की प्रस्तावित हड़ताल बुलाई गई है। स्टाफ फेडरेशन ने भर्ती प्रक्रिया, नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS) फंड मैनेजरों के चयन, नौकरियों की आउटसोर्सिंग, करियर प्रोग्रेशन स्कीम की समीक्षा और HRMS से जुड़े मुद्दों को लेकर यह हड़ताल प्रस्तावित की है. संगठन का कहना है कि कर्मचारियों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर अब तक समाधान नहीं निकला है। भारतीय रिजर्व बैंक यानी Reserve Bank of India के छुट्टियों के कैलेंडर के अनुसार, ईद-उल-अज़हा (बकरीद) के मौके पर कुछ राज्यों में 27 और 28 मई को बैंक बंद रहेंगे। खासतौर पर जम्मू-कश्मीर में दोनों दिन अवकाश घोषित किया गया है, क्योंकि वहां त्योहार दो दिनों तक मनाया जाएगा।

ऑनलाइन सेवाएं रहेंगी चालू

संभावित हड़ताल के बावजूद SBI की डिजिटल सेवाएं जारी रहेंगी। ग्राहक यूपीआई ट्रांजैक्शन, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और एटीएम सेवाओं का सामान्य रूप से उपयोग कर सकेंगे। हालांकि चेक क्लियरेंस, कैश जमा-निकासी और अन्य ब्रांच आधारित सेवाओं में देरी हो सकती है।

गुपचुप तरीके से विधायकों का सर्वे कर रही बीजेपी,एजेंसियों के रिपोर्ट के बाद, जिताऊ प्रत्याशी को देगी टिकट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊः उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों के क्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2022 में जीते अपने विधायकों का'रिपोट'काड'तैयार करना शुरू कर दिया है। पार्टी सूत्रों की मानें तो पार्टी यह परख रही है कि क्षेत्र में विधायक की जमीनी पकड़ कैसी है और जनता के बीच उनकी सक्रियता कितनी है। जिन विधायकों से जनता नाराज है , उनकी जगह नए और जिताऊ चेहरों की तलाश तेज कर दी गई है। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि , ' हाईकमान ने पूरे सर्वे की जिम्मेदारी दो बाहरी एजेंसियों को दी है जिनकी टीमें पिछले कई दिनों से शहरी और ग्रामीण इलाकों में घूमकर लोगों से सीधा संवाद कर रही हैं।

संभावित नए दावेदारों पर खेलेगी दाव

विधायकों के काम, व्यवहार और क्षेत्र में मौजूदगी पर जनता की राय ली जा रही है। इसके अलावा संभावित नए दावेदारों की लोकप्रियता और जातीय-सामाजिक प्रभाव का भी आकलन किया जा रहा है। भाजपा यह तय करना चाहती है कि 2027 में किस चेहरे पर दांव लगाने से जीत की गारंटी मिलेगी। सर्वे पूरे प्रदेश में मंडलवार कराया जा रहा है। ज्यादातर मंडलों में भाजपा की स्थिति मजबूत है, लेकिन मुरादाबाद मंडल

पार्टी के लिए चिंता का सबब बना हुआ है। 2017 के चुनाव में भाजपा को यहां 27 में से 14 सीटें मिली थीं, जो 2022 में घटकर सिर्फ 10 रह गई। इसी नुकसान की भरपाई के लिए पार्टी इस मंडल में खास सतकर्ता बरत रही है और हर सीट पर मजबूत उम्मीदवार खोज रही है।

एजेंसियों की रिपोर्ट के बाद पार्टी करेगी फैसला

भाजपा सूत्रों के मुताबिक संगठन अपने स्तर पर जिला और क्षेत्रवार संभावित उम्मीदवारों की लिस्ट बना रहा है। इसमें स्थानीय सांसदों और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की राय को भी महत्व दिया जाएगा। बाहरी एजेंसियों की रिपोट'और संगठन की सूची का मिलान किया जाएगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने बताया कि जो नाम दोनों जगह कॉमन होंगे और जिन पर सहमति बनेगी, उनका टिकट लगभग पक्का माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार एजेंसियों की रिपोट'जल्द ही दिल्ली हाईकमान को सौंप दी जाएगी।

जनता का मूड भांपा रही बीजेपी

सूत्रों ने बताया कि इस सर्वे में सिफ'विधायकों का ही नहीं, बल्कि योगी सरकार की योजनाओं और नौ साल के कामकाज को लेकर भी जनता का मूड भांपा जा रहा है। पार्टी यह जानना चाहती है कि किस इलाके में सरकार की ब्रांडिंग मजबूत है और कहां एंटी-इनकंबेंसी है। नेतृत्व का मानना है कि अभी से मिली जमीनी फीडबैक से 2027 की रणनीति को धार दी जा सकेगी। साफ संकेत हैं कि जो विधायक काम में फिसड्डी साबित हुए, उनका पत्ता अगले चुनाव में कटना तय है।

सपा बसपा भी तैयारी में जुटीं

गौरतलब है कि इसी तरह कांग्रेस ने पश्चिमी यूपी की सीटों पर प्राइवेट एजेंसियों से संभावित चेहरों की लिस्ट बनवानी शुरू कर दी है। समाजवादी पार्टी भी अंदरखाने सर्वे के जरिए उम्मीदवार छांट रही है। मायावती की बसपा कई सीटों पर प्रभारी और संभावित प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी दूसरे दलों के मजबूत नेताओं को तोड़कर अपने पाले में लाने में जुटी है। कुल मिलाकर 2027 का चुनावी दंगल शुरू होने से पहले ही सभी पार्टियों ने अपनी-अपनी चालें चलनी शुरू कर दी हैं। टिकट का गणित, जातीय समीकरण और सर्वे रिपोट'ही तय करेंगे कि अगली बार लखनऊ की सत्ता किसके हाथ आएगी।

मां की सर्जरी और चाचा की रस्म... उमर खालिद अंतरिम जमानत के लिए दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उमर खालिद ने 2020 के दिल्ली दंगों के मामले में अंतरिम जमानत के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. करीब 5 सालों से जेल में बंद उमर खालिद की अर्जी पर दिल्ली हाई कोर्ट कल सुनवाई करेगी. दरअसल, कड़कड़डूमा कोर्ट की ओर अंतरिम जमानत याचिका खारिज करने के बाद उमर खालिद ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी है. उमर खालिद ने अपने गुजर चुके चाचा के 40वें दिन के रस्म में शामिल होने और अपनी बीमार मां की देखभाल करने के लिए 15 दिन की अंतरिम जमानत मांगी थी. बता दें, खालिद की मांग की सर्जरी भी होनी है. मंगलवार को कड़कड़डूमा कोर्ट के एडिशनल सेशंस जज (ASJ) समीर बाजपेयी ने उमर खालिद की जमानत की अर्जी को खारिज कर दिया था. कोर्ट ने खालिद की अर्जी खारिज करते हुए कहा कि जमानत के लिए दिया तर्क सही

आधार नहीं है. मामले की सुनवाई करते हुए जज बाजपेयी ने कहा कि हालांकि खालिद को पहले भी कई बार अंतरिम जमानत मिल चुकी है, लेकिन जमानत की हर अर्जी और उसके कारण अलग-अलग होते हैं, इसलिए हर बार जमानत नहीं दी जा सकती. उमर खालिद की मां की सेहत और सर्जरी के संबंध में कोर्ट ने टिप्पणी की कि चूंकि यह एक सामान्य प्रक्रिया लगती है और खालिद की पांच बहनें और पिता उनकी देखभाल के लिए मौजूद हैं.

मां की सर्जरी को बताया सामान्य

मां की सर्जरी को लेकर कोर्ट ने कहा, 'यह सर्जरी बहुत ही आसान है, यानी इसमें सिर्फ गांठें हटानी हैं और ऐसा लगता है कि इसमें आवेदक की तरफ से किसी असल जरूरत या मदद की कोई गुंजाइश नहीं है. इसलिए, इन वजहों को सही न मानते हुए, अदालत ने आवेदक को मांगी गई राहत देना उचित नहीं समझा. '

दिसंबर 2025 में जमानत पर बाहर आए थे उमर

पिछली बार खालिद को दिसंबर 2025 में अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए जमानत मिली थी. छ्वह्व के पूर्व छात्र खालिद और एक्टिविस्ट शरजील इमाम उन 20 लोगों में शामिल हैं, जिन पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश रचने के आरोप में सख्त गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) के तहत केस दर्ज किया है.

अगर आरोपी को आपत्ति न हो तो देशद्रोह के मुकदमे चला सकती है अदालतः सुप्रीम कोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को साफ किया कि राजद्रोह (भारतीय दंड संहिता की धारा 124) से संबंधित मामलों में सुनवाई या अपील की कार्यवाही अदालतें तब तक जारी रख सकती हैं जब तक आरोपी को इस पर कोई आपत्ति न हो. मई 2022 में एसजी वोम्बटकेरे मामले में पारित उसके आदेश में पूर्ववर्ती राजद्रोह कानून को निलंबित रखते हुए आईपीसी की धारा 124 से संबंधित सभी सुनवाई और कार्यवाही पर रोक लगा दी गई थी. मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ ने एक ऐसे आरोपी के मामले में यह आदेश पारित किया, जो 17 साल से जेल में है और जिसकी आपराधिक अपील मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में लंबित है. याचिकाकर्ता कामरान (आरोपी) को सत्र न्यायालय द्वारा 27 फरवरी 2017 के फैसले में आईपीसी की धारा 122, 124, 153 के साथ धारा

10बी(ii) और 13(1)(ab), 13(2) यूएपीए और शस्त्र अधिनियम की धारा 25(1बी)(a) के तहत दोषी ठहराया गया था.याचिकाकर्ता की शिकायत क्या है? उसे सह-आरोपियों सहित आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी. उसने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में आपराधिक अपील दायर की, जो एक खंडपीठ के समक्ष लंबित है. हाई कोर्ट ने राजद्रोह के मामले से संबंधित कार्यवाही को स्थगित रखने के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के मद्देनजर अपील को लंबित रखा है. सुप्रीम कोर्ट ने ये आदेश पारित किया कि याचिकाकर्ता की शिकायत यह है कि यदि उसकी आपराधिक अपील पर धारा 124ए के तहत लगाए गए आरोप सहित पूर्ण सुनवाई की जाए तो उसे कोई आपत्ति नहीं है. कोर्ट ने कहा, ऐसे में हम 11 मई 2022 को पारित अपने अंतरिम आदेश के पैरा 8(ख्र) को स्पष्ट करते हैं कि जहां भी आरोपी को मुकदमे, अपील या किसी अन्य कार्यवाही पर कोई आपत्ति नहीं है, जहां उस पर धारा 124ए आईपीसी के तहत भी आरोप पत्र दायर किया गया है, वहां न्यायालयों को ऐसे मामलों का गुण-दोष और कानून के अनुसार फैसले लेने में कोई बाधा नहीं होगी.

मामले के गुण-दोष पर टिप्पणी नहीं की

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट से याचिकाकर्ता की अपील और उससे संबंधित अन्य अपीलों पर विचार करने और गुण-दोष के आधार पर फैसले लेने का अनुरोध किया. कोर्ट ने यह भी कहा कि उसने मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी नहीं की है.

नौतपा और भारतीय जीवन दर्शन

भारतीय उपमहाद्वीप की जलवायु विश्व की सबसे विविध और जटिल जलवायु प्रणालियों में गिनी जाती है। यहाँ ऋतुओं का परिवर्तन केवल मौसम का बदलाव नहीं होता, बल्कि यह कृषि, अर्थव्यवस्था, समाज और मानव जीवन की गति को भी निर्धारित करता है। ग्रीष्म ऋतु के अंतिम चरण में उत्तर और मध्य भारत जिस भीषण गर्मी का सामना करते हैं, उसे लोक परंपरा में नौतपा कहा जाता है। यह वह समय होता है जब सूर्य की तपिश अपने चरम पर पहुँच जाती है और धरती का बड़ा भाग भट्ठी की तरह तपने लगता है। वर्ष 2026 में नौतपा 25 मई से 2 जून तक रहने वाला है। इन 9 दिनों को भारतीय मौसम चक्र का सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण दौर माना जाता है, क्योंकि इस समय तापमान कई क्षेत्रों में 45 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाता है और वातावरण में ऐसी गर्मी भर जाती है जो सामान्य जीवन को बुरी तरह प्रभावित कर देती है।

नौतपा केवल एक लोक मान्यता नहीं है, बल्कि इसके पीछे स्पष्ट वैज्ञानिक और भौगोलिक कारण मौजूद हैं। पृथ्वी सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करती है और मई के अंतिम सप्ताह तक सूर्य की स्थिति कर्क रेखा के समीप पहुँच जाती है। कर्क रेखा भारत के मध्य भाग से होकर गुजरती है, इसलिए इस समय सूर्य की किरणें भारतीय भूभाग पर लगभग सीधी पड़ती हैं। जब सूर्य की किरणें सीधी धरती पर गिरती हैं तो उनकी ऊर्जा कम क्षेत्र में केंद्रित हो जाती है और तापमान तेजी से बढ़ता है। इसके विपरीत तिरछी किरणें बड़े क्षेत्र में फैल जाती हैं, जिससे गर्मी की तीव्रता कम हो जाती है। यही कारण है कि मई और जून के बीच उत्तर भारत की धरती अत्यधिक गर्म हो जाती है। भारतीय मौसम विभाग ने वर्ष 2026 के लिए कई राज्यों में सामान्य से अधिक गर्मी और लू की संभावना व्यक्त की है। राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के अनेक क्षेत्रों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुँचने की आशंका जताई गई है। कुछ मरुस्थलीय इलाकों में यह आँकड़ा 48 डिग्री सेल्सियस के पार भी जा सकता है।

नौतपा के दिनों में केवल दिन ही गर्म नहीं होते, बल्कि रातें भी असहनीय हो जाती हैं। मई और जून के इस दौर में दिन लगभग 13 से 14 घंटे लंबे हो जाते हैं। इतने लंबे समय तक सूर्य की किरणें लगातार धरती को गर्म करती रहती हैं। मिट्टी, चट्टानें, सड़कें और कंक्रीट की इमारतें दिनभर ऊष्मा को अपने भीतर सोखती रहती हैं। सूर्यास्त के बाद यही ऊष्मा धीरे धीरे वातावरण में वापस निकलती है। चूँकि रातें छोटी होती हैं, इसलिए धरती को ठंडा होने का पर्याप्त समय नहीं मिल पाता। परिणामस्वरूप अगले दिन तापमान और अधिक बढ़ जाता है। यही संचयी प्रक्रिया नौतपा के दूसरे और तीसरे दिन के बाद गर्मी को और अधिक खतरनाक बना देती है। इस समय एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिलता है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी युक्त हवाएँ धीरे धीरे भारतीय भूभाग की ओर बढ़ने लगती हैं। जब यह नमी अत्यधिक गर्म मैदानी क्षेत्रों में पहुँचती है, तब हवा में आर्द्रता बढ़ जाती है। इसके कारण शरीर से निकलने वाला पसीना जल्दी नहीं सूखता। सामान्यतः पसीने का वाष्पीकरण शरीर को ठंडा करता है, लेकिन नमी बढ़ने पर यह प्रक्रिया बाधित हो जाती है। परिणामस्वरूप व्यक्ति को वास्तविक तापमान से कहीं अधिक गर्मी महसूस होती है। कई बार 45 डिग्री सेल्सियस का तापमान शरीर को 50 से 55 डिग्री सेल्सियस जैसा महसूस होता है। यही कारण है कि उमस भरी गर्मी शुष्क गर्मी से अधिक खतरनाक मानी जाती है।

मानव शरीर सामान्य परिस्थितियों में अपना आंतरिक तापमान लगभग 37 डिग्री सेल्सियस बनाए रखता है। जब बाहरी तापमान अत्यधिक बढ़ जाता है, तब शरीर स्वयं को ठंडा रखने के लिए अधिक मात्रा में पसीना निकालता है। यदि शरीर को पर्याप्त पानी और आवश्यक लवण न मिलें, तो डिहाइड्रेशन की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इससे चक्कर आना, कमजोरी, सिरदर्द, मांसपेशियों में ऐंठन और रक्तचाप में असंतुलन जैसी समस्याएँ शुरू हो जाती हैं। अधिक गंभीर स्थिति में व्यक्ति हीट स्ट्रोक अर्थात लू का शिकार हो सकता है। लू लगने पर शरीर का तापमान 104 डिग्री फारेनहाइट तक पहुँच सकता है, जिससे मस्तिष्क, हृदय और अन्य महत्वपूर्ण अंग प्रभावित हो सकते हैं। भारत में बढ़ती गर्मी और हीटवेव से होने वाली मृत्यु दर को लेकर कई वैज्ञानिक शोध चेतावनी दे चुके हैं कि आने वाले वर्षों में यह खतरा और बढ़ सकता है। नौतपा के दौरान सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव है। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक का समय सबसे अधिक संवेदनशील माना जाता है। इस दौरान बिना आवश्यकता घर से बाहर निकलने से बचना चाहिए। यदि बाहर जाना अनिवार्य हो, तो सिर और चेहरे को सूती कपड़े से ढकना चाहिए। हल्के रंग के ढीले सूती वस्त्र शरीर को अपेक्षाकृत ठंडा रखने में सहायता करते हैं। तेज धूप में लगातार चलने या मेहनत करने से बचना चाहिए। विशेष रूप से मजदूरों, किसानों, रिक्शा चालकों और खुले में काम करने वाले लोगों को अत्यधिक सावधानी की आवश्यकता होती है।

खानपान में भी विशेष अनुशासन आवश्यक हो जाता है। केवल प्यास लगने पर पानी पीना पर्याप्त नहीं होता। शरीर को लगातार पानी की आवश्यकता होती है। थोड़े थोड़े अंतराल पर पानी पीते रहना चाहिए। ओआरएस का घोल, नींबू पानी, छाछ, बेल का शरबत, नारियल पानी और कच्चे आम का पन्ना शरीर में पानी और लवणों का संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। तरबूज, खरबूजा, खीरा और ककड़ी जैसे फल शरीर को ठंडक पहुँचाते हैं। इसके विपरीत अत्यधिक मसालेदार, तला हुआ और भारी भोजन शरीर के तापमान को और बढ़ा सकता है, इसलिए ऐसे भोजन से बचना चाहिए। नौतपा का प्रभाव समाज के सभी वर्गों पर समान नहीं पड़ता। बच्चे, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएँ सबसे अधिक संवेदनशील होती हैं। बच्चों का शरीर अभी पूरी तरह विकसित नहीं होता और बुजुर्गों की शारीरिक क्षमता उम्र के साथ कमजोर हो जाती है। इसलिए उन्हें जल्दी लू लग सकती है। परिवारों को चाहिए कि वे इन सदस्यों का विशेष ध्यान रखें और पानी की कमी के किसी भी संकेत को नजरअंदाज न करें।

यह समय पशु पक्षियों के लिए भी अत्यंत कठिन होता है। तालाब और छोटे जलस्रोत सूखने लगते हैं। पक्षियों और आवारा पशुओं को पानी के लिए भटकना पड़ता है। यदि लोग अपने घरों की छतों, बालकनियों और आँगनों में मिट्टी के बर्तनों में पानी रखें, तो हजारों जीवों को राहत मिल सकती है। यह केवल दया नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। हालाँकि नौतपा अत्यंत कष्टदायक होता है, फिर भी भारतीय मानसून के लिए इसका बहुत बड़ा महत्व है। जब उत्तर भारत की धरती अत्यधिक गर्म हो जाती है, तब वहाँ की हवा गर्म होकर ऊपर उठती है। इससे धरातल पर निम्न वायुदाब का क्षेत्र बनता है। यही निम्न दबाव दक्षिण में स्थित हिंद महासागर की ठंडी और नमी से भरी हवाओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। यही हवाएँ आगे चलकर मानसून बनती हैं। मौसम विज्ञान के अनुसार यदि नौतपा के दौरान अच्छी गर्मी पड़े, तो मानसून के मजबूत होने की संभावना बढ़ जाती है। यदि इस समय लगातार वर्षा हो जाए या पर्याप्त गर्मी न पड़े, तो मानसून कमजोर पड़ सकता है। इस प्रकार नौतपा केवल गर्मी का एक कठिन दौर नहीं है, बल्कि यह भारतीय प्रकृति के विशाल संतुलन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह वह तपिश है जो आने वाली वर्षा की नींव रखती है। जून के पहले सप्ताह के बाद जब मानसून केरल के तट पर पहुँचता है और धीरे धीरे पूरे देश में फैलता है, तब तपती धरती को राहत मिलती है। पहली बारिश की बूँदें केवल तापमान नहीं घटातीं, बल्कि करोड़ों लोगों के मन में नई आशा और जीवन का संचार भी करती हैं। तब मनुष्य को वैज्ञानिक सावधानियों, अनुशासित जीवन शैली और प्रकृति के प्रति संवेदनशील व्यवहार के साथ इस कठिन समय को सुरक्षित रूप से पार करना होता है।

महेन्द्र तिवारी

डिजिटल अरेस्ट- साइबर ठगी का नया चेहरा

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

डिजिटल अरैस्ट आज की साइबर ठगी का एक नया चेहरा बन चुका है, जो लोग इन ठगों की गिरफ्त में आ जाते हैं वो आसानी से अपना आर्थिक नुकसान कर बैठते हैं। कहा जाता है कि डर इंसान का सबसे बड़ा दुश्मन होता है, यह वो भी करा देता है जो इंसान कभी करना ही नहीं चाहता। साइबर ठगों ने इसी डर को अपना हथियार बना लिया है। और इसका नाम है 'डिजिटल अरेस्ट '। पुलिस ने बार- बार कहा है कि पुलिस कभी भी डिजिटल अरैस्ट नहीं करती। फिर भी लोग इन जालसाजों के झांसे में आ जाते हैं। इसमें सीधे आपके पास वीडियो कॉल आती है। सामने पुलिस की वर्दी में कोई अफसर दिखता है। बैकग्राउंड में थाने जैसा सेटअप। वो कहता हैः 'आपके आधार से मनी लॉन्ड्रिंग हुई है, ड्रग्स वाले पार्सल में आपका नाम है, या आपके बच्चे का किडनैप केस है।' फिर धमकीः 'अभी घर से बाहर नहीं निकलना, फोन मत काटना। आप डिजिटल अरेस्ट में हैं। जांच चल रही है। 'इसके बाद शुरू होता है असली खेल। 'जमानत' के नाम पर, 'वेरिफिकेशन' के नाम पर लाखों रुपये ट्रांसफर करा लिए जाते हैं। इंसान डर के मारे 3-4 दिन तक कमरे में बंद रहकर स्क्रीन शेयर करता रहता है। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2024 में डिजिटल अरेस्ट से 1200 करोड़ से ज्यादा की ठगी हुई। जनवरी से अप्रैल 2025 तक ही 1740 केस दर्ज हो चुके हैं। शिकार ज्यादातर पढ़े-लिखे रिटायर्ड लोग, डॉक्टर, प्रोफेसर हैं। ठग को पता है कि इज्जत का डर पैसे से बड़ा होता है। कानून की खामी नहीं, समझ की कमी और इसी से व्यक्ति ठग लिया जाता है। सच ये है कि भारतीय कानून में 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी कोई चीज है ही नहीं। पुलिस, ष्टक्चढ्ढ, श्वष्ठ या कोर्ट कभी वीडियो कॉल पर पूछताछ नहीं करते। गिरफ्तारी हमेशा फिजिकल होती है, वारंट के साथ। न कोई एजेंसी व्हाट्सऐप पर नोटिस भेजती है, न स्काइप पर बयान लेती है।

अब सवाल यह उठता है कि जब डिजिटल अरैस्ट के नाम जैसी कोई चीज नहीं है तो फिर भी लोग फंसते क्यों हैं? इसकी मुख्य तीन वजह समझ में आतीं हैं। पहला है अथॉरिटी का रोबः वर्दी, बैकग्राउंड, कानूनी धाराएं बोलकर डराना

आइसोलेशनः 'किसी को मत बताना, केस बिगड़ जाएगा' कहकर पीड़ित को अकेला कर दिया जाता है। टाइम प्रेशरः '2 घंटे में पैसा नहीं भेजा तो अभी अरेस्ट' कर लिया जाएगा। और लोग अपनी वर्षों से जमा पूंजी गंवा बैठते हैं। ऐसा भी नहीं है कि इसमें केवल न समझ लोग ही ठगते हों। अच्छे अच्छे पदों पर बैठे व्यक्ति, बड़े पदों से रिटायर्ड व्यक्ति उसमें शामिल हैं। इसमें बचाव का बस एक ही मंत्रः है रुको, सोचो, चेक करो । इसमें डर से पहले दिमाग चलाएंः कोई भी असली एजेंसी पैसे मांगे तो 100% फ्रॉड है।

कॉल काटोः सरकारी अफसर वीडियो कॉल पर धमकाए तो तुरंत फोन काट दें। असली पुलिस दोबारा कॉल करेगी तो थाने बुलाएगी। वेरिफाई करोः 1930 पर साइबर हेल्पलाइन कॉल करें। नजदीकी थाने जाकर पूछें। बात करोः परिवार को बताएं। ठग सबसे पहले यही मना करते हैं। बैंक खातों का मिसयूज रोकने के लिए सिस्टम चाहिए। टेलीकॉम कंपनियां फर्जी इंटरनेशनल कॉल्स क्यों नहीं रोक पातीं? व्हाट्सऐप पर पुलिस की ष्ठक्क लगाकर ठगी हो रही है, प्लेटफॉर्म की जवाबदेही कब तय होगी? पुलिस की साइबर विंग को भी स्कैम कॉल के पैटर्न पर जनता को लगातार अलर्ट करना होगा। डिजिटल इंडिया का सपना तभी पूरा होगा जब डिजिटल नागरिक समझदार होगा।

उत्तर सेंटिनल द्वीपः भारत का वह निषिद्ध द्वीप जहाँ जाना मौत को आमंत्रित करना है

भारत के अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में स्थित उत्तर सेंटिनल द्वीप विश्व की सबसे रहस्यमयी और खतरनाक जगहों में से एक है। बंगाल की खाड़ी में फैला यह छोटा द्वीप, जो मैनहट्टन के आकार के लगभग बराबर है, हजारों वर्षों से सेंटिनली जनजाति का घर है। यह जनजाति स्वेच्छा से बाहरी दुनिया से पूर्णतः अलग-थलग रहती है और किसी भी बाहरी व्यक्ति के संपर्क को हिंसक प्रतिरोध से खारिज करती है।

ऐतिहासिक संदर्भ और अलगाव सेंटिनली जनजाति अंडमानी लोगों का हिस्सा मानी जाती है, जिनकी उत्पत्ति लगभग साठ हजार वर्ष पुरानी बताई जाती है। ब्रिटिश काल से लेकर आधुनिक समय तक, इस द्वीप पर संपर्क स्थापित करने के प्रयास लगभग हमेशा असफल और घातक रहे हैं। अठ्ठारह सौ अस्सी के दशक में ब्रिटिश अधिकारी मॉरिस विडल पोर्टमैन के नेतृत्व में हुई एक अभियान में कुछ सेंटिनली लोगों को पकड़ा गया, जिनमें वयस्क व्यक्ति बीमारियों से मारे गए। अठ्ठारह सौ छियानबे में एक भारतीय कैदी द्वीप पर पहुंचा तो उसकी लाश तीरों के घावों के साथ मिली। दो हजार छह में दो मछुआरे अनजाने में द्वीप के किनारे आ गए और जनजाति ने उन्हें मार डाला।

संपर्क के दुर्लभ प्रयासः त्रिलोकनाथ पंडित की कहानी इन घातक घटनाओं के बीच एक उल्लेखनीय अपवाद रहा भारतीय मानवशास्त्री त्रिलोकनाथ पंडित का। सन् उन्नीस सौ सड़सठ में उन्होंने अंडमान और निकोबार प्रशासन के निर्देश पर पहली बार द्वीप पर उतरने का प्रयास किया। शुरुआती दौर में जनजाति ने तीरों से हमला किया और छिपकर प्रतिरोध किया। लगभग चौबीस वर्षों तक निरंतर प्रयासों में पंडित और उनकी टीम नारियल, लोहे के उपकरण और अन्य उपहार लेकर जाती रही।

चार जनवरी उन्नीस सौ इक्यानबे को इतिहास रचा गया। पंडित के नेतृत्व वाली टीम ने पहली बार शांतिपूर्ण संपर्क स्थापित किया। नारियल पानी में फेंके गए, सेंटिनली पुरुष उन्हें लेने आए, कुछ देर जिज्ञासा दिखाई और फिर टीम सुरक्षित वापस लौट आई। यह द्वीप पर शांतिपूर्ण संपर्क का एकमात्र दर्ज उदाहरण माना जाता है। पंडित ने बाद में कहा कि जनजाति स्पष्ट रूप से बाहरी लोगों को नहीं चाहती। इस सफलता के बाद भारत सरकार ने द्वीप पर उतरने के प्रयास बंद कर दिए और अलगाव की नीति अपनाई।

दो हजार अठारह का अमेरिकी मिशनरी मामला सबसे चर्चित मामला दो हजार अठारह का है, जब छब्बीस वर्षीय अमेरिकी मिशनरी जॉन एलन चौ अवैध रूप से द्वीप पहुंचने की कोशिश में तीन बार प्रयास कर चुका था। स्थानीय मछुआरों को पैसे देकर वह वहां पहुंचा और जनजाति ने उसे तीरों से मार दिया। भारतीय प्रशासन ने उसके शव को निकालने का प्रयास भी नहीं किया।

वैज्ञानिक और नैतिक दृष्टिकोण शोधकर्ताओं और मानवविज्ञानियों के अनुसार, सेंटिनली जनजाति की आबादी मात्र पचास से एक सौ पचास के बीच अनुमानित है। इनकी प्रतिरक्षा प्रणाली बाहरी दुनिया की सामान्य बीमारियों के प्रति पूरी तरह असुरक्षित है। कोई भी संपर्क पूरे समूह के विनाश का कारण बन सकता है। भारत सरकार ने द्वीप को संरक्षित क्षेत्र घोषित कर दिया है और पांच नॉटिकल मील की परिधि में किसी भी व्यक्ति के जाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा रखा है।

यह अलगाव न केवल जनजाति की सुरक्षा के लिए है, बल्कि उनकी स्वायत्तता और सांस्कृतिक अखंडता का सम्मान भी है।

निष्कर्ष उत्तर सेंटिनल द्वीप आधुनिक दुनिया के लिए एक चेतावनी है – कि हर जगह पहुंचने और हर रहस्य जानने की जिज्ञासा हमेशा उचित नहीं होती। त्रिलोकनाथ पंडित के धैर्यपूर्ण और सम्मानजनक प्रयास इस बात के सबूत हैं कि जहां संभव हो, शांतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाया जा सकता है, लेकिन अंततः जनजाति की इच्छा का सम्मान सर्वोपरि है। जहां तक संभव हो, इस निषिद्ध भूमि को अछूता छोड़ देना ही सबसे बुद्धिमानी भरा और मानवीय कदम है। **लेखकः सचिन बाजपेई**

3-डी अभियानः बदलाव जो दिखता भी है और बदलता भी है

[दिखावे की अर्थव्यवस्था पर सादगी का जनआंदोलन]

[3-डी 'अभियान' से बदलती तस्वीरः गांवों में शुरू हुआ नया संस्कार युग]

जब उत्सव की धुनें खुशियों की जगह चिंता जगाने लगें और परंपरा अपने मूल अर्थ से दूर हो जाए, तब समाज को खुद को देखने की जरूरत होती है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों की पहचान सादगी रही है, लेकिन शादियों में डीजे का शोर, शराब और 'दापा' (दहेज़) जैसी प्रथाओं का दबाव इस गरिमा को प्रभावित कर रहा है। विवाह, जो कभी संस्कार और अपनापन का प्रतीक था, अब कई जगह आर्थिक बोझ बनता जा रहा है। ऐसे समय में जो पहल समाज को सादगी और संस्कार की ओर लौटाए, वह सुधार नहीं, सामाजिक चेतना का पुनर्जागरण बन जाती है। मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले का दहेज, दारू और डीजे मुक्त '3-डी अभियान' आज उसी बदलाव की सशक्त मिसाल है।

जब कोई अधिकारी कानून से आगे बढ़कर समाज की सोच बदलने का संकल्प लेता है, तभी बदलाव इतिहास बनता है। बड़वानी के पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल ने '3-डी अभियान' को जनआंदोलन का रूप दिया है। उन्होंने वर्दी को भय नहीं, विश्वास और संवाद का माध्यम बनाया। झाबुआ से शुरू हुए इस अभियान को उन्होंने बड़वानी में सामाजिक चेतना का आधार बना दिया। वे स्वयं सादगीपूर्ण विवाहों में शामिल होकर परिवारों को सम्मानित भी करते हैं, जिससे लोगों को प्रेरणा मिलती है। गांव-गांव जाकर वे समझाते हैं कि विवाह दिखावे नहीं, संस्कार और सम्मान का उत्सव है। यही कारण है कि '3-डी अभियान' आज समाज में जागरूकता और स्वाभिमान की पहचान बन चुका है।

'3ष्ठ अभियान' केवल तीन बुराइयों के विरोध की पहल नहीं, बल्कि उस विकृत सोच के खिलाफ सामाजिक जागरण है जिसने विवाह को संस्कार से अधिक बोझ बना दिया था। गरीब परिवार वर्षों तक कर्ज में डूबते रहे, जमीन गिरवी रखते रहे और कमाई दिखावे में खर्च होती रही। कई घर शादी के बाद भी कर्ज से नहीं निकल पाए। शराब ने खुशियों को विवाद और हिंसा में बदला, जबकि डीजे के शोर ने लोकसंस्कृति को दबा दिया। अब बड़वानी के कई गांवों में विवाह बिना दहेज के हो रहे हैं, बिना शराब के उत्सव सज रहे हैं और ढोल-मांदल की पारंपरिक थाप फिर से सुनाई देने लगी है।

सच्चा बदलाव केवल आदतें नहीं बदलता, वह संस्कृति को भी नया जीवन देता है। '3-डी अभियान' की ताकत यही है। आदिवासी समाज की पहचान लोकधुनों, सामूहिक उत्सवों और सादगी में रही है, लेकिन दिखावे की चकाचौंध ने इन्हें हाशिये पर धकेल दिया था। विवाहों में लोकगीतों की जगह शोर और स्थानीय कलाकारों की जगह डीजे ने ले ली थी। '3-डी अभियान' ने इस असंतुलन को चुनौती दी है। अब गांवों में ढोल-मांदल की थाप गूंज रही है, लोकधुनें लौट रही हैं और स्थानीय कलाकारों को सम्मान मिल रहा है। यह पहल केवल कुरीतियों के खिलाफ अभियान नहीं, बल्कि आदिवासी सांस्कृतिक अस्मिता के पुनर्जागरण का सशक्त प्रयास बन चुकी है।

समाज जब स्वयं बदलाव का प्रहरी बन जाए, तभी क्रांति जन्म लेती है। '3-डी अभियान' की सबसे बड़ी शक्ति यही जनभागीदारी है। '3-डी अभियान' अब केवल सोच नहीं बदल रहा, बल्कि समाज का व्यवहार भी बदल रहा है। जिन विवाहों में कभी शराब, विवाद और तनाव हावी रहते थे, वहां अब सादगी, अनुशासन और आत्मीयता दिखाई देने लगी है। परिवार कर्ज के बोझ से राहत महसूस कर रहे हैं और नई दुल्हनें आर्थिक दबाव नहीं, सम्मान के साथ नए जीवन में कदम रख रही हैं। लोग समझने लगे हैं कि दिखावे की चमक क्षणिक होती है, लेकिन उसके लिए लिया गया कर्ज वर्षों तक परिवारों को भीतर से तोड़ता रहता है। ऐसे में सादगीपूर्ण विवाह अब केवल परंपरा नहीं, बल्कि सामाजिक संतुलन, सम्मान और जागरूकता की नई पहचान बनते जा रहे हैं।

बड़वानी में '3-डी अभियान' ने पुलिस और समाज के रिश्तों की तस्वीर बदल दी है। यहां वर्दी केवल कानून की ताकत नहीं, सामाजिक विश्वास का प्रतीक बनी है। जिस पुलिस को अक्सर डर और दूरी से जोड़ा जाता था, वही अब गांवों की चौपालों में बैठकर कुरीतियों के खिलाफ जनजागरण कर रही है। संवाद और संवेदना को आधार बनाकर पद्मविलोचन शुक्ल ने पुलिस को समाज सुधार की शक्ति में बदल दिया है।

उन्होंने साबित किया कि प्रशासन की सबसे बड़ी सफलता केवल अपराध नियंत्रण नहीं, बल्कि लोगों में भरोसा, सम्मान और जागरूकता जगाना है। बड़वानी का यह मॉडल आज कम्युनिटी पुलिसिंग की प्रेरक मिसाल बन चुका है।

समाज तब मजबूत बनता है, जब उसकी परंपराएं बोझ नहीं, सम्मान का आधार बनें। बड़वानी का '3-डी अभियान' इसी बदलाव की प्रभावी शुरुआत है। यदि यह मॉडल देशभर में अपनाया जाए, तो यह केवल शादियों का स्वरूप नहीं, सामाजिक सोच भी बदल सकता है। आज भी दहेज, शराब और दिखावे की परंपरा गरीब परिवारों को कर्ज और तनाव में धकेल रही है। बेटियों के विवाह कई घरों के लिए आर्थिक संघर्ष बन जाते हैं, जबकि नशा और शोर सामाजिक वातावरण को खोखला करते हैं। ऐसे में '3-डी अभियान' केवल कुरीतियों के खिलाफ मुहिम नहीं, बल्कि सादगी, सम्मान और सामाजिक संतुलन का संदेश है। यह समाज को बताता है कि विवाह बोझ नहीं, संस्कार होना चाहिए।

गहरी जमी परंपराओं से टकराता हर बदलाव आसान नहीं होता, लेकिन वही समाज को नई दिशा देता है। आज भी समाज का एक हिस्सा दिखावे को प्रतिष्ठा और दहेज को परंपरा मानकर उसी में उलझा हुआ है। लेकिन बड़वानी ने दिखा दिया है कि संवाद, संवेदनशील नेतृत्व और जनभागीदारी से गहरी जमी सोच भी बदली जा सकती है। '3-डी अभियान' यह स्पष्ट करता है कि बदलाव बड़े साधनों से नहीं, दृढ़ संकल्प से जन्म लेता है। बड़वानी जिले के वर्तमान एसपी पद्मविलोचन शुक्ल और उनकी टीम का यह प्रयास अब एक दिशा बन चुका है। जिस दिन विवाह सादगी और सम्मान का उत्सव बनेंगे, उसी दिन समाज वास्तविक प्रगति की ओर बढ़ेगा।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

दैनिक राशिफल

मेष राशि आज आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। नौकरी और व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। परिवार में किसी शुभ समाचार से खुशी का माहौल रहेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें।
शुभ रंगः लाल **शुभ अंकः** 9

वृषभ राशि आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। कार्यस्थल पर वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। सेहत का ध्यान रखें और खानपान संतुलित रखें। **शुभ रंगः** सफेद **शुभ अंकः** 6

मिथुन राशि आज आपकी वाणी प्रभावशाली रहेगी। मित्रों से मुलाकात हो सकती है। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा रहेगा। किसी पुराने विवाद से बचने की कोशिश करें। **शुभ रंगः** हरा **शुभ अंकः** 5

कर्क राशि भावनात्मक रूप से थोड़ा संवेदनशील महसूस कर सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा।
शुभ रंगः सिल्वर **शुभ अंकः 2**

सिंह राशि आज नेतृत्व क्षमता मजबूत रहेगी। व्यापार में लाभ और नौकरी में प्रशंसा मिल सकती है। यात्रा के योग बन रहे हैं। अहंकार से बचें। **शुभ रंगः** सुनहरा **शुभ** अंकः 1

कन्या राशि नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा लेकिन थकान महसूस हो सकती है। **शुभ रंगः** आसमानी **शुभ अंकः** 7

तुला राशि दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। कला और रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। निवेश सोच-समझकर करें।
शुभ रंगः गुलाबी **शुभ अंकः** 6

वृश्चिक राशि आज साहस और ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलने की संभावना है। गुस्से पर नियंत्रण रखें। **शुभ रंगः** मैरून **शुभ अंकः** 8

धनु राशि भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक या आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ सकती है। विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए दिन शुभ है। **शुभ रंगः** पीला **शुभ अंकः** 3

मकर राशि कार्यस्थल पर जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। मेहनत का फल धीरे-धीरे मिलेगा। परिवार के बुजुर्गों का आशीर्वाद लाभ देगा।
शुभ रंगः नीला **शुभ अंकः** 4

कुंभ राशि नई पहचान और संपर्क लाभदायक साबित होंगे। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें।
शुभ रंगः बैंगनी **शुभ अंकः** 11

मीन राशि मन शांत रहेगा और रचनात्मकता बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। यात्रा का योग बन सकता है।
शुभ रंगः समुद्री हरा **शुभ अंकः** 12

सुप्रीम आदेश से आवारा कुत्तों से मुक्ति की उम्मीद बढ़ी

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कार्ट द्वारा अपने पुराने आदेश को बरकरार रखने से अब लगता है कि देश को आवारा कुत्तों के आंतक से मुक्ति मिल जाएगी। लोगों को रैबीज की जान लेवा बीमारी से छुटकारा मिल सकेगा। न्यायालय ने नेशनल हाईवे अथार्टी को भी कहा कि यह मार्ग पर इस तरह बाड़ और अवरोध बनाए कि आवारा पशु सड़क पर न जा सके। न्यायालय के नेशनल हाईवे अथार्टी को दिए आदेश से आशा बनी है कि आवारा पशुओं के टकराने से होने वाली दुर्घटनाएं कम होंगी। आवारा कुत्तों से जुड़े मामले में फैसला सुनाते हुए मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट पुराने अपने पुराने आदेश को बरकरार रखा। कोर्ट ने 11 अगस्त के पिछले आदेशों में बदलाव करने का निर्देश देने की मांग करने वाली सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया । पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा, सभी राज्य हर शहर में एनिमल सेंटर बनाएं। जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा, कुत्तों के काटने की घटना लगातार जारी है और यह दिखाया है कि संबंधित अथॉरिटी की लापरवाही दिखती है। अदालत ने कहा, राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों का यह दायित्व है कि लोगों के जीवन की रक्षा करें। राइट टू लाइफ की रक्षा करना राज्य और यूटी की जिम्मेदारी है। सर्वोच्च अदालत ने कहा, 'गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार सभी का अधिकार है। इसकी के तहत पब्लिक प्लेस में एक्सेस का अधिकार उनका है। बिना डर लोग कहीं जा सकें, ये उनका अधिकार है।' पीठ ने कहा, बच्चे और बुजुर्ग पर अटैक हो रहा है। कुत्तों द्वारा इंटरनेशनल ट्रैवलर को निशाना बनाया गया है। पीठ ने राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश जारी करते हुए कहा, सभी राज्य व केंद्र शासित प्रदेश एनिमल बर्थ कंट्रोल लागू करें। राज्य तमाम सुविधाओं वाले यूटी एबीसी सेंटर हर जिले में स्थापित करें। कोर्ट ने कहा, वहां स्टेरलाइजेशन और वेक्सिनेशन प्रोग्राम वहां हो पाए।

जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने याचिकाकर्ताओं, प्रतिवादियों, पीड़ितों, कुत्तों के पक्ष में शामिल लोग, पशु कल्याण बोर्ड और भारत सरकार की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। पीठ ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एएनएचएआई) की ओर से पेश हुए अधिवक्ता की दलीलें भ सुनी । इसमें सात नवंबर, 2025 के उस निर्देश के अनुपालन का जिक्र था। अदालत ने प्राधिकरण को राष्ट्रीय राजमार्गों से आवारा पशुओं को हटाने और सड़कों के किनारे बाड़ लगाने के निर्देश दिये थे। न्यायालय ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) को पशु आश्रय स्थलों या पशु जन्म नियंत्रण सुविधाओं के लिए अनुमति मांगने वाले गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ)के आवेदनों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।पीठ ने एडब्ल्यूबीआई का पक्ष रख रहे अधिवक्ता से कहा, 'या तो आप आवेदन स्वीकार करें या अस्वीकार करें, लेकिन इसे शीघ्रता से करें।' शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी अधिवक्ता की इस दलील पर की कि सात नवंबर के आदेश के बाद, विभिन्न संगठनों से ऐसे आवेदनों में अचानक वृद्धि हुई है।

न्यायालय ने 13 जनवरी को कहा था कि वह राज्यों से कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए भारी हर्जाना देने को कहेगी और ऐसे मामलों के लिए कुत्तों को खाना खिलाने वालों को जवाबदेह ठहराएगी। अदालत ने पिछले पांच वर्षों से आवारा पशुओं से संबंधित मानदंडों के लागू न होने पर भी चिंता जताई। अदालत ने कई मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा, 'कुत्तों के काटने का ख़तरा अब हवाई अड्डों और रिहायशी इलाक़ों समेत महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानों तक फैल चुका है। 'अदालत ने कहा कि यह समस्या 'बेहद व्यापक' रूप ले चुकी है और 'ऐसी घटनाओं का लगातार दोहराया जाना' निर्देशों के पालन में कमी को दर्शाता है। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि जो अधिकारी इन आदेशों को लागू करने में विफल रहेंगे, उनके ख़िलाफ़ अवमानना और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। फ़ैसला सुनाते हुए अदालत ने कहा, 'गरिमा के साथ जीने के अधिकार में यह अधिकार भी शामिल है कि व्यक्ति कुत्तों के हमलों के डर के बिना स्वतंत्र रूप से जीवन जी सके। राज्य मूक दर्शन बनकर नही रह सकता। अदालत भी उन कठोर ज़मीनी हक़ीक़तों से आँखें नहीं मूँद सकती, जहाँ बच्चे, विदेशी यात्री और बुज़ुर्ग कुत्तों के काटने की घटनाओं का शिकार हुए हैं. संविधान ऐसे समाज की कल्पना नहीं करता, जहाँ बच्चों और बुज़ुर्गों का जीवन केवल शारीरिक ताक़त या क़िस्मत के भरोसे हो। इससे पहले नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की एक बेंच ने अपने एक आदेश में सभी राज्य सरकारों से कहा था कि वो आवारा कुत्तों और मवेशियों को हाईवे, सड़कों और एक्सप्रेस-वे से हटा दें। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था, 'इसका सख़्ती से पालन करना ज़रूरी है वरना अधिकारियों को व्यक्तिगत तौर पर ज़िम्मेदार ठहराया जाएगा '। कोर्ट ने सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह भी निर्देश दिए थे कि अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, सार्वजनिक खेल परिसर, रेलवे स्टेशन जैसे सरकारी और निजी संस्थानों की पहचान कर उन्हें इस तरह घेर दें कि आवारा कुत्ते अंदर न आ सकें। कोर्ट ने यह भी कहा कि अधिकारियों को ऐसे परिसरों से मौजूद आवारा कुत्तों को हटाकर उनकी नसबंदी करानी होगी. इसके बाद उन्हें डॉग शेल्टर में भेजना होगा। कुछ वकीलों ने आदेश पर चिंता जताई थी और कोर्ट से इसे संशोधित करने के लिए सुनवाई की मांग की. हालाँकि बेंच से इसे ख़ारिज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट की चिंता वास्तव में उचित है, क्योंकि इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के अनुसार, भारत में रेबीज के कारण हर साल लगभग 5,700 लोगों की जान जाती है 7 विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया भर में रेबीज से होने वाली कुल मौतों का लगभग 36 प्रतिशत हिस्सा अकेले भारत से आता है। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) और इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम (आईडीएसपी) की रिपोर्ट में हर साल कुत्ते के काटने के मामलों में भारी वृद्धि देखी जा रही है 7 पिछले वर्ष के दौरान भारत में कुत्ते के काटने के 37 लाख (37,15,713) से अधिक मामले दर्ज किए गए । रेबीज एक लगभग 100 प्रतिशत घातक बीमारी है। यानी लक्षण (सिंटम्स) दीखने के बाद इसे ठीक करना लगभग असंभव है 7 भारत में आवारा कुत्तों की समस्या एक गंभीर मुद्दा बन चुकी है। भारत में साल 2024 में कुत्ते के काटने की 37,15,713 घटना रिपोर्ट की गई। राजधानी दिल्ली की बात की जाए तो यहां साल 2025 में केवल जनवरी के महीने में 3,196 (प्रतिदिन लगभग 103) कुत्ते के काटने के मामले सामने आए। 2024 में 25,210 (प्रतिदिन लगभग 69), 2023 में 17,874 (प्रतिदिन लगभग 49), 2022 में 6,691 (प्रतिदिन लगभग 18) ये वो मामले हैं जो रिपोर्ट किए गए हैं।

कुत्ते के काटने पर दवा की चार डोज देने का प्रावधान है। पहली डोज शून्य से एक दिन के बीच,दूसरी शून्य ये तीन दिन, तीसरी शून्य से सात दिन और और चौथी शून्य से 28 दिन के बीच दी जाती है। देखने में आया है कि सरकारी अस्पतालों में एक या दो डोज देकर ही काम निपटा दिया जाता है। खुद इस पत्रकार के बेटे को कुत्ते के काटने पर जिला अस्पताल में दो डोज देकर इतिश्री कर दी गई। बाद में दो डोज बाजार से खरीदकर लगवाई गई। अब इस तरह की चिकित्सीय लापरवाही से कुत्ते के काटने के शिकार को रेबीज नही होगा। न्यायालय ने आदेश तो दे दिया किंतु इस आदेश के पालन को भी सुनिश्चित करना जरूरी होगा, क्योंकि सरकारी अमला इस कान से सुनकर दूसरे कान से निकालने का अभ्यस्त हो चुका है।

अशोक मधुप

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बन्धित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

मुनाफे से ज्यादा जन स्वास्थ्य को प्राथमिकताः जीतेंद्र बाजपेयी

सीतापुर। सीतापुर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर बुधवार को जिले के लगभग सभी दवा व्यावसायियों ने अपनी-अपनी दुकानें समय पर खोल कर मानव स्वास्थ्य को सर्वोपरि रखते हुए अपना समर्थन दिया। किसी भी मरीज को दवा के लिए परेशान न होना पड़े इसी को ध्यान में रखते हुए सीतापुर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने बंदी का विरोध करते हुए सभी दवा व्यवसाईयों से अपनी-अपनी दुकानों को नियमित रूप से खोलकर दवाओं की बिक्री किए जाने की अपील की थी, इस अपील के चलते इक्का-दुक्का दुकानों को छोड़कर जिले भर की अधिकांश दुकानें खुली रहीं। एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेन्द्र बाजपेई (प्रेमू) ने कहा कि हम लोगों का व्यवसाय जीवन रक्षक वस्तुओं का है और व्यापार के साथ समाज सेवा से भी जुड़ा है, अतः हमें अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी से करना है। उन्होंने कहा की ऑनलाइन व्यापार का विरोध हमारा संगठन भी कर रहा है किन्तु हम किसी के स्वास्थ्य से खिलवाड़ नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि एक तथाकथित संगठन की बंदी के प्रयासों के बाद भी दुकानों का खुलना यह साबित करता है कि दवा कारोबारियों की प्राथमिकता में मुनाफे से ज्यादा आमजन का स्वास्थ्य है। एसोसिएशन के संरक्षक शोभित टंडन का कहना है कि हम केंद्र सरकार से दवा के क्रय व विक्रय तथा फार्मेसी की परेशानियों को दूर करने की अपील करते हुए ई प्लेटफॉर्म पर होने वाली लूट का विरोध तो करते हैं, लेकिन यह विरोध किसी से स्वास्थ्य को प्रभावित न करें, इसलिए हम सभी ने अपनी-अपनी दुकानें खोलकर नियमित रूप से दवाओं की बिक्री की है। इसे मुहिम में एसोसिएशन के महामंत्री सहज गुप्ता, कोषाध्यक्ष सुमित मिश्र, सुनील तिवारी, उपेंद्र शुक्ला, विनीत सिंह, सुधीर शुक्ला, अमित गुप्ता, विकास मिश्रा, अनिल कुमार नंद, विजेंद्र विक्रम सिंह, विजय श्रीवास्तव, राज कुमार तिवारी, दीपक गुप्ता, प्रदीप आदि का सराहनीय योगदान रहा।

ज्येष्ठ माह के मंगल पर लगवाया वाटर कूलर

सीतापुर। ज्येष्ठ माह के बड़े मंगल पर उमा उत्थान महिला समिति के तत्वावधान में शहर के हरदोई रोड स्थित समाजसेवी नागेंद्र गुप्ता द्वारा अपने घर के बाहर राहगीरों के लिए एक वाटर कूलर की स्थापना की गई है। इससे पूर्व वहां पर हनुमान चालीसा का पाठ और वेद मंत्रोच्चार के मध्य वाटर कूलर का पूजन कर उसका शुभारंभ किया गया। समाजसेवी नागेंद्र गुप्ता द्वारा बीते एक दशक से भी अधिक समय से भंडारा का आयोजन किया जाता रहा है। उन्होंने बताया कि राहगीरों एवं आसपास के दुकानदारों को नियमित रूप से ठंडा पानी मिल सके, इसी मंशा को लेकर इस वाटर कूलर की स्थापना की गई है। उन्होंने बताया कि समाजसेवी विनय मोहन सक्सेना द्वारा दो दिनों में यहां पर आरओ भी स्थापित किया जा रहा है। इस मौके पर आरएसएस के विभाग प्रचारक अभिषेक, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अक्षय सहाय, वरिष्ठ पत्रकार राजीव गुप्ता तेजू, डॉ. प्रशांत, डॉ. सुभाष, सिंचाई संघ के अध्यक्ष विवेक मिश्रा, भोला गुप्ता, अंजनी शुक्ला, दिनेश वैश्य आदि मौजूद रहे।

सर्वसाधारण सूचना

नाम संशोधन कराने के संबंध में सुनील कुमार लोधी /पुत्र बाबू लाल निवासी गौरी बाजार सरोजनी नगर लखनऊ पोस्ट सरोजनी नगर लखनऊ उत्तर प्रदेश पिन कोड 226008, का निवासी है आधार कार्ड न 311751912590 है आधार कार्ड में नाम सुनील कुमार लोधी है यही नाम मेरे ड्राविंग लाइसेंस में सुनील कुमार वर्मा लिखा है जिसे संशोधित करके जो आधार कार्ड में नाम सुनील कुमार लोधी लिखा है यह ही संशोधित कर लाइसेन्स में कराना है चूंकि दस्तावेज़ों के नाम सब एक ही होना चहिए लाइसेन्स न यूपी 32 20059025463 है संशोधित करने की सहमति के संबंध में प्रकाशनार्थ सूचना के वास्ते,।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम दिनेश कुमार यादव पुत्र श्री राम पाल यादव, उम्र लगभग 41 वर्ष, निवासी मलेसेमऊ यो मलेसेमऊ लखनऊ उत्तर प्रदेश 226010, मेरे पुत्र मनीष का आचरण और व्यवहार काफी समय से मेरे और मेरे परिवार के प्रति बहुत ही अशोभनीय, अपमानजनक और अवांछनीय रहा है। उनके गलत व्यवहार और नियंत्रण से बाहर होने के कारण, मैंने अपनी पूर्ण स्वतंत्र इच्छा और स्वेच्छा से अपने पुत्र मनीष को अपनी समस्त चल और अचल संपत्ति से बेदखल (छ्वद्दह्यश्च2ठ्ठ) कर दिया है। दिनांक 21/05/26 से, मैंने उक्त पुत्र से सभी प्रकार के पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक संबंध पूर्ण रूप से तोड़ लिए हैं। मेरे और मेरे परिवार का उनके किसी भी कार्य, लेन-देन या व्यवहार से कोई लेना-देना नहीं होगा। यदि भविष्य में कोई भी व्यक्ति उक्त बेदखल पुत्र के साथ कोई लेन-देन या संबंध रखता है, तो वह अपने स्वयं के जोखिम पर ऐसा करेगा। मैं या मेरा परिवार उनके किसी भी कृत्य के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे।

मलिहाबाद में अवैध वकालत पर भड़का मलिहाबाद बार एसोसिएशन, कार्रवाई की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। मलिहाबाद बार एसोसिएशन ने तहसील परिसर के पास स्थित एसीपी कोर्ट में कथित अवैध वकालत को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। एसोसिएशन का आरोप है कि बिना अधिवक्ता पंजीकरण और बार काउंसिल प्रमाणपत्र के कुछ लोग वकालत संबंधी कार्य कर रहे हैं, जिससे न्यायिक व्यवस्था और अधिवक्ता पेशे की गरिमा प्रभावित हो रही है। इस मामले को गंभीर बताते हुए एसीपी मलिहाबाद सुजीत दुबे को ज्ञापन सौंपकर उचित कार्रवाई की मांग की गई है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सम्राट सिंह एडवोकेट और महामंत्री कमलेश कुमार एडवोकेट द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कहा गया है कि न्यायालय में अधिवक्ताओं के अतिरिक्त किसी भी व्यक्ति द्वारा बिना वैध प्रमाणपत्र के मुकदमों की पैरवी, जमानत संबंधी कार्य या अन्य कानूनी गतिविधियां करना नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। एसोसिएशन का कहना है कि इस प्रकार की गतिविधियां न केवल कानून के खिलाफ हैं, बल्कि इससे न्यायिक प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर भी असर पड़ता है। ज्ञापन में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई व्यक्ति बिना बार काउंसिल रजिस्ट्रेशन के न्यायालय परिसर में अवैध रूप से वकालत संबंधी कार्य करता पाया जाता है, तो उसके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

साथ ही पुलिस प्रशासन से न्यायालय परिसर में ऐसी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने और दोषियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाने की मांग की गई है। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि अधिवक्ता पेशे की गरिमा बनाए रखने और न्यायिक व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अवैध वकालत पर तत्काल रोक लगाना आवश्यक है। इसी मुद्दे को लेकर अधिवक्ताओं ने पुलिस की कथित मनमानी और ढिलाई के विरोध में तहसील परिसर के बाहर प्रदर्शन भी किया। इस दौरान मलिहाबाद बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री राम सिंह यादव, वीरेंद्र प्रताप सिंह 'वीरू', अधिवक्ता रायवेंद्र सिंह 'मनु', मोहम्मद मुदस्सिर, सतौम सिंह यादव, नमन यादव, रितेश यादव, रंजीत और देवेंद्र सहित दर्जनों अधिवक्ता मौजूद रहे। बार एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि अवैध वकालत पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को और तेज किया जा सकता है।

इंसानियत, मोहब्बत और अमन का पैगाम देता है उर्सः शेख़ राशिद अली मीनाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सण्डीला (हरदोई)। मखदूमज़ादा हज़रत सय्यद मोहम्मद अहमद शाह सुल्तान आलम फातमी चिश्ती निज़ामी रहश का सालाना उर्स शेख़ राशिद अली मीनाई की अध्यक्षता में व मुईज़उद्दीन अहमद साग़री चिश्ती के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। क़स्बा के मोहल्ला अशराफ टोला मंगल बाज़ार स्थित ख़ानक़ाहे चिश्तिया साग़रिया (दरगाह हज़रत साग़र मियां) में उर्स कदीमी रवायतों के साथ सम्पन्न हुआ। तीन दिवसीय उर्स के समापन अवसर पर दरगाह मख़दूम शाह मीना लखनऊ के सज्जादा नशीन शेख़ राशिद अली मीनाई ने कहा कि दरगाहें हमेशा से इंसानियत, मोहब्बत, भाईचारे और अमन का संदेश देती रही हैं। सूफी संतों ने अपने आचरण और शिक्षाओं से समाज को जोड़ने का काम किया और लोगों को प्रेम, सहिष्णुता तथा मानव सेवा की राह दिखाई।उन्होंने कहा कि औलिया-ए-किराम की दरगाहें केवल इबादत की जगह नहीं बल्कि इंसानियत की तालीम देने वाले मरकज़ हैं। ख़ानकाह नसीरया बिलग्राम के सज्जादा नशीन सय्यद अफसर अली नसीरी ने सिलसिला साग़रिया चिश्तिया का हिंदी भाषा में प्रकाशित शज़रा पुस्तक का विमोचन करते हुए सूफी संतों की शिक्षाओं को अपनाने और समाज में अमन-चैन कायम रखने की अपील की। उर्स में मौलाना मेंहदी हसन ने जलसा को ख़िताब किया। इस दौरान गुस्ल मज़ार, चादर पोशी, गुल पोशी, लंगर और क़व्वाली जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस मौके पर दरगाह के सज्जादा नशीन मुईज़उद्दीन अहमद सागरी चिश्ती निज़ामी, नूर मियां, शहर क़ाज़ी सय्यद मोहम्मद आरिफ़ अब्दुलाह, सय्यद तबस्सुम हुसैन, सय्यद क़ाशिफ नसीरी, सूफ़ी सय्यद तारिक़ मियां, सूफ़ी इस्हाक़ अली, सूफ़ी शफ़ी अहमद साबरी, अधिवक्ता समिति सण्डीला के अध्यक्ष नसीम खां, नगर पालिका अध्यक्ष रईस अंसारी, पूर्व अध्यक्ष शैलेश अग्निहोत्री, सभासद हाफ़िज सज्जाद सहित बड़ी संख्या में अक़ीदतमंद मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ सौपा ज्ञापन

लालगंज (रायबरेली)। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के विरुद्ध पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। दिए गए शिकायती पत्र में नेता प्रतिपक्ष और सांसद पर लोकतंत्र विरोधी बयान देने का आरोप लगाया। कार्यकर्ताओं ने पुलिस से मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की। प्रांतीय परिषद के सदस्य सुशील शुक्ला ने अपने लेटर हेड में कहा की सांसद राहुल गांधी ने नगर में आयोजित महिला संवाद के दौरान भारत के प्रधानमंत्री को देशद्रोही कहा है। इसके साथ ही दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी को देशद्रोही बताया गया है। कहा कि सांसद की ओर से देश के प्रधानमंत्री को अपमानित किया गया है। उनके इस बयान से कार्यकर्ता आहत हैं। उनके इन बयानों से भारत सरकार की साख को नुकसान पहुंचा है। कार्यकर्ताओं ने इस आशय का एक वीडियो भी पुलिस को सौप कर मामले में राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की गुहार लगाई है। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी, अनूप पांडेय, कैलाश बाजपेई, सपना देवी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। आपत्तिकर्ता कोर्ट की शरण ले सकते हैं।

बिसवां में प्रतिभाओं का महाकुंभ : मेधावी विद्यार्थियों को मेडल देकर किया गया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर- 19 मई जनपद सीतापुर के बिसवां क्षेत्र स्थित बीएलएसडी इण्टर कॉलेज, मंझिगवां में मंगलवार को आयोजित 'बी.एल. वर्मा क्षेत्रीय मेधावी छात्र गौरव सम्मान समारोह' शिक्षा, साहित्य और संस्कार का अनुपम संगम बन गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विद्यालयों के मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल एवं सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में विद्यार्थियों का उत्साह, अभिभावकों की गरिमामयी उपस्थिति तथा शिक्षकों का समर्पण पूरे आयोजन को प्रेरणादायी बना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता संतोष कुमार वर्मा ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. संदीप यादव की सक्रिय भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. अजय वर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और संस्कार ही सफलता की वास्तविक कुंजी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर अध्ययन करने का आह्वान किया। समारोह में कॉलेज के प्रबंधक एवं लखनऊ शिया पीजी कॉलेज के जंतु विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. सुधाकर वर्मा ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्रामीण अंचलों की प्रतिभाओं में अपार संभावनाएँ छिपी होती हैं। यदि उन्हें उचित मंच, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन मिले तो वे राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर सकती हैं। सह-संयोजक डॉ. चन्द्रशेखर प्रजापति ने कार्यक्रम को विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और प्रेरणा से जोड़ते हुए इसे शिक्षा जगत की सकारात्मक पहल बताया। विशिष्ट अतिथि एवं साहित्यकार डॉ. देवेन्द्र कश्यप 'निडर' ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन और प्रभावशाली काव्यपाठ से उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। वहीं कवयित्री श्रीमती पिंकी प्रजापति ने साहित्यिक अभिव्यक्ति के माध्यम से विद्यार्थियों को रचनात्मकता, संस्कृति और संस्कारों से जुड़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में क्षेत्रीय विद्यालयों से आए प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मंच पर मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करते समय बच्चों के चेहरों पर प्रसन्नता, आत्मविश्वास और भविष्य के सपनों की चमक स्पष्ट दिखाई दे रही थी। अभिभावकों ने भी विद्यालय परिवार के इस सराहनीय प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की। अंत में विद्यालय परिवार की ओर से सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं उपस्थित सम्मानित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। समारोह ने यह संदेश दिया कि शिक्षा, सम्मान और संस्कार के माध्यम से ही नई पीढ़ी को सकारात्मक दिशा प्रदान की जा सकती है तथा ग्रामीण प्रतिभाओं को नई उड़ान दी जा सकती है। कार्यक्रम में डॉ. राहुल वर्मा, दिलीप मौर्य, पुष्पेंद्र सिंह, डॉ. शिवांशु राठौर, प्रधानाचार्य दिवाकर वर्मा, उप प्रधानाचार्य सतीश चन्द्र वर्मा, सत्यनारायण पाण्डेय, प्रधानाचार्य दिवाकर वर्मा, उप प्रधानाचार्य सतीश चंद्र वर्मा, कमलेश कुमार भार्गव पुष्पेंद्र वर्मा राजेश वर्मा लवलेश कुमार जितेंद्र कुमार पुष्पेंद्र, सहित अनेक शिक्षाविद, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

उरई की घटना को लेकर वैश्य समाज में आक्रोश, दोषी डॉक्टरों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां, सीतापुर। व्यापारी नेता एवं पत्रकार मोहित जायसवाल के आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुमंत गुप्ता ने उरई में हुई मारपीट की घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। पत्रकारों से रूबरू होते हुए डॉ. सुमंत गुप्ता ने कहा कि उरई स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज में श्री बृजकिशोर गुप्ता एवं उनके पुत्र के साथ करीब तीन सौ जूनियर एवं सीनियर डॉक्टरों द्वारा कथित रूप से की गई बर्बर मारपीट बेहद निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को समाज में भगवान का दूसरा रूप माना जाता है, लेकिन जिन हाथों में स्टेथोस्कोप होना चाहिए, उनमें यदि मारपीट और हिंसा के दृश्य दिखाई दें तो यह पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि इस घटना ने मानवता को शर्मसार कर दिया है तथा वैश्य समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। डॉ. गुप्ता ने उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से मांग करते हुए कहा कि घटना में शामिल सभी जूनियर एवं सीनियर डॉक्टरों के खिलाफ धारा 307 सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने जिला प्रशासन से भी तत्काल हस्तक्षेप कर दोषियों को चिन्हित कर सख्त दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि समाज किसी भी कीमत पर ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करेगा और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए संगठन हर स्तर पर संघर्ष करेगा। इस अवसर पर अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अंकित दास गुप्ता सहित संगठन के कई पदाधिकारी एवं स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दवा विक्रेताओं ने अध्यक्ष के नेतृत्व में जिलाधिकारी को संबोधित उप जिलाधिकारी आकांक्षा गौतम को सौपा ज्ञापन

बिसवां/सीतापुर। ऑनलाइन फार्मेसी के विरोध में ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के आवाहन पर बुधवार को नगर क्षेत्र की दवा दुकानें दोपहर एक बजे तक बंद रहीं। दवा व्यापारियों ने स्थानीय पत्थर शिवाला परिसर में एकत्र होकर सभा की तथा ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक लगाने और सख्त नियम लागू करने की मांग उठाई। इसके बाद दवा विक्रेताओं ने मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनीत अग्रवाल के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन करते हुए तहसील पहुंचकर जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी आकांक्षा गौतम को सौंपा। जनहित को ध्यान में रखते हुए दोपहर एक बजे के बाद दवा दुकानें खोल दी गई।इस अवसर पर कमलेश वर्मा, पप्पू जमा,विजय अवस्थी रजत अग्रवाल भारी संख्या में दवा विक्रेता मौजूद रहे।

ननिहाल आया किशोर लापता

लालगंज रायबरेली। कस्बे के बरदाही मोहल्ला में लखनऊ से अपनी ननिहाल आया किशोर बुधवार को अचानक लापता हो गया। इससे परिवारीजन चिंतित हो गए। 6 घंटे बाद वह किसी तरह लौटा तो उनके जान में जान आई। मोहल्ला निवासी इरफान का भांजा असद (13) हुसैन आलम गर्मी की छुट्टियों में ननिहाल आया था। सुबह करीब 8:00 बजे खेलते समय वह अचानक लापता हो गया। इससे इरफान और उसके परिवार के लोग घबरा गए। देर तक उसकी खोजबीन की गई। लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका। बालक के अचानक गायब होने की खबर सोशल मीडिया में वायरल हो गई। परिवारीजनों ने बताया कि दोपहर 2 बजे बालक घर लौट आया। बालक के मामा ने बताया कि उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को देने ही जा रहे थे तब तक उसका भांजा वापस लौट आया।

दबंगों का कहरः पति-पत्नी पर लाठी-डंडों से हमला, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंदापुर रायबरेली। थाना क्षेत्र के पूरे तिलक मजरे बधैल गांव में सोमवार सुबह दबंगई का मामला सामने आया, जहां एक व्यक्ति और उसकी पत्नी पर लाठी-डंडों से हमला किए जाने का आरोप लगा है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पीड़ित आशीष सिंह पुत्र स्वर्गीय रामबक्श सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 19 मई 2026 की सुबह करीब 7 बजे गांव के ही कुछ लोग पुरानी रंजिश को लेकर उनके साथ गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गए।आशीष सिंह ने आरोप लगाया कि जब उनकी पत्नी उन्हें बचाने पहुंचीं तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। घटना के दौरान परिवार में चीख-पुकार मच गई, जिसके बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों को आता देख आरोपी मौके से फरार हो गए। मामले में रमेश सिंह, गुड्डू सिंह, कमलेश सिंह तथा अरुण कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने एनसीआर संख्या 0014/2026 के तहत धारा 115(2) बीएनएस में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।चंदापुर पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

लखनऊ में अधिवक्ताओं के चैम्बरों के ध्वस्तीकरण एवं लाठीचार्ज के विरोध में बिसवां बार एसोसिएशन ने एसडीएम को दिया ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)- अवकाश के दिन लखनऊ में अधिवक्ताओं के बने चैम्बरों पर की गई ध्वस्तीकरण की कार्यवाही और कथित लाठीचार्ज की घटना को लेकर अधिवक्ता समुदाय में तीव्र आक्रोश व्याप्त है। इस कार्रवाई को अधिवक्ताओं ने न्यायिक संवेदनशीलता, प्रशासनिक विवेक और विधि व्यवस्था—तीनों पर गंभीर प्रश्नचिह्न बताया है। बिसवा बार एसोसिएशन अध्यक्ष राज किशोर यादव एवं सचिव नीरज कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में महामहिम राज्यपाल महोदया को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी बिसवां आकांक्षा गौतम के माध्यम से भेजा गया। बिसवा बार एसोसिएशन अध्यक्ष राज किशोर यादव ने कहा कि अधिवक्ताओं के सम्मान को बरकरार रखना अति आवश्यक है। हम सभी को एकजुट होकर लड़ाई लड़नी होगी। बिसवा बार एसोसिएशन सचिव नीरज कुमार श्रीवास्तव एड ने कहा कि अधिवक्ताओं के साथ जिस प्रकार भारी पुलिस बल की मौजूदगी में,बिना मानवीय दृष्टिकोण अपनाए यह कार्रवाई की गई,वह लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रतिकूल है।जो अधिवक्ता प्रतिदिन न्यायालयों में नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए खड़े रहते हैं, आज वही अपने सम्मान, अस्तित्व और कार्यस्थल की सुरक्षा के लिए आवाज उठाने को विवश हैं। लखनऊ में अधिवक्ताओं के साथ घटित हुई घटना के विरोध में बिसवां बार एसोसिएशन बिसवा ने कड़ा रुख अपनाते हुए महामहिम राज्यपाल महोदया को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी बिसवां आकांक्षा गौतम को प्रेषित किया गया। ज्ञापन के माध्यम से अधिवक्ताओं का कहना है कि पुलिस की क्रूरता पूर्वक कार्रवाई में कई अधिवक्ताओं को गंभीर चोटें आई और आर्थिक क्षति भी हुई है।

ज्ञापन में पुलिस-प्रशासन की कठोरता,शासन की लापरवाही तथा अधिवक्ताओं के साथ संवाद व सहयोग के अभाव पर चिंता व्यक्त की गई है। बिसवा बार एसोसिएशन ने महामहिम राज्यपाल महोदया से मांग की है कि सम्पूर्ण प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए,दोषी पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई कराई जाए,तथा अधिवक्ताओं के न्यायिक कार्य हेतु समुचित चैम्बर व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। अधिवक्ताओं ने स्पष्ट किया है कि अधिवक्ताओं के मान सम्मान,अधिकार और गरिमा के प्रश्न पर कोई भी किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। विरोध के दौरान 'अधिवक्ता एकता ज़िंदाबाद' के नारे भी गूंजे। इस अवसर पर बिसवा बार एसोसिएशन बिसवा एल्डर्स कमेटी चेयरमेन ब्रजेश नारायण गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष दिनेश कुमार श्रीवास्तव,सूर्य प्रसाद यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष कठेरिया,उपाध्यक्ष इंतिखाब आलम सिद्दीकी,कोषाध्यक्ष अनमोल कन्हैया,संयुक्त सचिव जितेन्द्र कुमार मिश्रा,राम किशोर वर्मा,सत्यम त्रिवेदी, रवि मौर्या,सिराज अहमद, अनुज यादव,प्रदीप कुमार गौतम,अशफाक अहमद, फूलचंद्र भार्गव,अनवर हबीब,अनुग्रह गुप्ता,दीपू गुप्ता, परमेश यादव,प्रीती श्रीवास्तव सहित काफ़ी संख्या में बिसवा बार एसोसिएशन बिसवा के अधिवक्ता गण उपस्थित रहे।

कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ 15वां रुद्र महायज्ञ

● आदर्श ऋषि आश्रम ऐहार मे शुरू रुद्र महायज्ञ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के ऐहार गांव स्थित आदर्श ऋषि आश्रम में बुधवार से 15वें रुद्र महायज्ञ का शुभारंभ हो गया। शुरुआत भव्य कलश यात्रा और शोभायात्रा के साथ हुई।श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। शोभायात्रा बाबा बाल्हेश्वर धाम से निकाली गई। यह यात्रा गांव के अलग अलग देवस्थानों से होकर कार्यक्रम स्थल पहुंची। यात्रा के दौरान धार्मिक जयघोष गूंजते रहे। आदर्श ऋषि आश्रम के कर्ताधर्ता संत सर्वेश्वर दास व्यासजी महाराज ने बताया कि महायज्ञ का आयोजन 28 मई तक चलेगा। प्रतिदिन सुबह विधि-विधान से हवन और पूजन कराया जाएगा। दोपहर दो बजे से शाम सात बजे तक धार्मिक अनुष्ठान होंगे। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। रात आठ बजे से रामलीला मंचन भी होगा। कार्यक्रम में कई राज्यों से संत, कथावाचक और कलाकार शामिल होंगे। महायज्ञ को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। बताया कि महायज्ञ का समापन 28 मई को विशाल भंडारे के साथ होगा। भंडारा दोपहर दो बजे से शुरू किया जाएगा।

सराफा कारीगर को पीटा, मामला दर्ज

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के सराफा मंडी में मगलवार को मारपीट हो गई। सराफा की दुकान के कारीगर को पड़ोसी दुकानदार ने जमकर पिटाई कर दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया। कस्बे के शांतिनगर मोहल्ला निवासी अनुज सराफा मंडी में मोहित सोनी की दुकान में काम करता है। मंगलवार की दोपहर को पडोसी दुकानदार सचिन सोनी एक मामूली बात को लेकर उसकी जमकर पिटाई कर दी। यह पूरी घटना दूकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना के बाद दुकानदार ने पुलिस को तहरीर दी साथ ही सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को दिखाई। पुलिस ने फौरन केस दर्ज कर कार्रवाई की। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर कार्रवाई की गई।

ऑनलाइन फार्मेसी के विरोध में दवा विक्रेताओं का बंद सफल

● महमूदाबाद में एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद- सीतापुर ऑनलाइन फार्मेसी के बढ़ते चलन और कॉर्पोरेट कंपनियों की कथित शोषणकारी नीतियों के खिलाफ बुधवार को स्थानीय दवा विक्रेताओं ने अपनी दुकानें पूरी तरह बंद रखीं। 'ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स' के केंद्रीय आह्वान पर आयोजित इस एक दिवसीय बंद का महमूदाबाद और आसपास के ग्रामीण इलाकों में व्यापक असर देखने को मिला। नगर के प्रमुख दवा बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। इस दौरान आंदोलित दवा व्यापारियों ने तहसील मुख्यालय पहुंचकर उपजिलाधिकारी को प्रधानमंत्री व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। दवा विक्रेता संघ के पदाधिकारियों ने ऑनलाइन ई-फार्मेसी प्लेटफॉर्म्स पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि ये कंपनियां बिना किसी पुख्ता सत्यापन के धड़ल्ले से दवाओं की होम डिलीवरी कर रही हैं। व्यापारियों ने मुख्य रूप से नशीली व प्रतिबंधित दवाओं का दुरुपयोग करके बिना वैध और मूल डॉक्टर के पर्चे के ऑनलाइन दवाएं मंगवाई जा रही हैं। इससे युवाओं में आदत बनाने व और प्रतिबंधित दवाओं के दुरुपयोग का खतरा खतरनाक स्तर तक बढ़ गया है। बिना डॉक्टरी परामर्श के एंटीबायोटिक्स की आसान उपलब्धता से 'एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस' (दवाओं का बेअसर होना) का खतरा पैदा हो रहा है, जो भविष्य के लिए एक बड़ा स्वास्थ्य संकट है। इंटरनेट के माध्यम से फर्जी या पुराने पर्चों को बार-बार अपलोड करके दवाएं हासिल की जा रही हैं, जिस पर कोई कड़ा नियंत्रण नहीं है। छोटे और ग्रामीण केमिस्टों के अस्तित्व पर संकट ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन के स्थानीय नेताओं ने कहा कि बड़ी कॉर्पोरेट और ऑनलाइन कंपनियां भारी-भरकम डिस्काउंट (छूट) देकर बाजार पर एकाधिकार जमाना चाहती हैं। इस अनुचित व्यापार प्रतिस्पर्धा के कारण छोटे, खुदरा और ग्रामीण क्षेत्रों के केमिस्टों का व्यवसाय पूरी तरह चौपट होने की कगार पर पहुंच गया है। दवा व्यवसाय से जुड़े लाखों परिवारों के सामने अब रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। यह केवल हमारे व्यापार या मुनाफे की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह देश के जनस्वास्थ्य और सीधे तौर पर मरीजों की सुरक्षा से जुड़ा बेहद संवेदनशील मामला है। दवाओं को सामान्य किराना या उपभोक्ता सामान की तरह नहीं बेचा जा सकता, यह बात स्थानीय पदाधिकारी, दवा विक्रेता संघ ने कही ओर सरकार से अधिसूचनाएं वापस लेने की मांग AIOCD ने केंद्र सरकार से मांग की है कि वह दवा क्षेत्र को नुकसान पहुंचाने वाली अपनी नीतियों पर तुरंत पुनर्विचार करे। संगठन ने विशेष रूप से कोविड-19 काल के दौरान जारी की गई GSR 220(E) और ई-फार्मेसी को विनियमित करने के नाम पर लाई गई GSR 817(E) अधिसूचनाओं को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की है। बुधवार को दवा दुकानें बंद रहने के कारण स्थानीय और ग्रामीण क्षेत्रों से आए मरीजों व उनके तीमारदारों को दवाइयों के लिए काफी भटकना पड़ा। हालांकि, दवा विक्रेता संगठन ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि मानवीय आधार पर आपातकालीन स्थिति के लिए अस्पतालों के अंदर स्थित फार्मेसी और कुछ चुनिंदा जीवन रक्षक दवाओं की दुकानों को बंद से मुक्त रखा गया था, ताकि किसी गंभीर मरीज की जान पर न बन आए। दवा व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने ई-फार्मेसी के खिलाफ कोई ठोस और सख्त कदम नहीं उठाया, तो आने वाले दिनों में यह आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

संक्षिप्त खबरें

लोनी में ट्रैक्टर से टक्कर के बाद सड़क पर गिरी स्कूटी सवार शिक्षिका, सिर कुचलते हुए भागा ड्राइवर

लोनी। लोनी थाना क्षेत्र में बंथला चिरौड़ी मार्ग पर स्कूल जाते समय स्कूटी सवार शिक्षिका की एक ईंट से भरे ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। आरोपित चालक को हिरासत में लिया गया है। पुलिस का कहना है कि तहरीर आने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। टीला मोड़ की भारत सिटी सोसायटी सोसायटी निवासी 55 वर्षीय चेताली बैनर्जी पत्नी देवाशीष बैनर्जी बंथला चिरौडी रोड़ स्थित एक निजी स्कूल में शिक्षिका थी। बुधवार सुबह वह स्कूटी से स्कूल जा रही थी। जब वह बंथला चिरौड़ी रोड स्थित आईसीडी कंटेनर डिपो के सामने पहुंची इसी दौरान विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में आ रहे ईंट से भरे ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी।

सिर को कुचलता निकल गया ट्रैक्टर का पहिया

संतुलन बिगड़ने से वह रोड पर गिर गई और ट्रैक्टर का पहिया उनके सिर को कुचलता हुआ निकल गया। जिससे उनकी मौके पर मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद चालक मौके से ट्रैक्टर समेत फरार हो गया। राहगीरों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के पति को हादसे की जानकारी देकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसीपी सिद्धार्थ गौतम का कहना है कि ट्रैक्टर चालक को हिरासत में लिया गया है। तहरीर आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गाजियाबाद में उड़ा सीएम योगी के आदेशों का फ्यूज, गर्मी में रात-रात भर बिजली गायब; अंधाधुंध कटौती से बेहाल

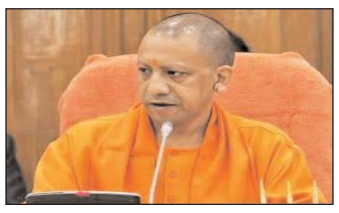

साहिबाबाद। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनता को 24 घंटे बिजली देने के दावे तक रहे हैं। इसके लिए उन्होंने बीते दिनों विद्युत निगम के अधिकारियों को आदेश भी दिए गए हैं, लेकिन स्थानीय अधिकारी मुख्यमंत्री के दावों को परवान नहीं चढ़ने दे रहे हैं। मुख्यमंत्री के आदेश को ताक पर रख 46 डिग्री सेल्सियस तापमान में अंधाधुंध बिजली कटौती की जा रही है। कहीं रातभर बिजली कटौती हो रही है तो कहीं पूरे दिन बिजली गायब रहती है। टीला मोड की इंद्रप्रस्थ कालोनी में करीब 15 हजार से अधिक लोग रहते हैं। बीते चार दिन से लोग अंधाधुंध बिजली कटौती से जूझ रहे हैं। सोमवार रात करीब 11 बजे भी यहां की बिजली गुल हो गई। लोग रातभर अधिकारियों से गुहार लगाते रहे, लेकिन आपूर्ति सामान्य नहीं हुई। यहां तक की लोग एकत्रित होकर बिजलीघर भी पहुंच गए। वहां से भी लोगों को निराशा ही हाथ लगी। करीब चार घंटे बाद बिजली आपूर्ति सामान्य हुई। इसके बाद सुबह में फिर से बिजली गुल हो गई। बिन बिजली के भीषण गर्मी में यहां के लोगों का बुरा हाल है। लोगों का कहना है कि दिनभर नौकरी करो। इसके बाद कालोनी में आकर बिजली नहीं मिलती।

लो-वोल्टेज ने किया परेशान

इंद्रप्रस्थ कालोनी में दिन में बिजली आई, लेकिन वह भी लो-वोल्टेज रहे। करीब 167 से 180 के बीच ही वोल्टेज बने रहे। लो-वोल्टेज के कारण लोग गर्मी से बचाव के उपकरण नहीं चला सके।

बच्चे, बुजुर्ग हो रहे बीमार

लोगों का कहना है कि भीषण गर्मी में बुरा हाल है। बची हुई कमी बिजली कटौती ने पूरी कर दी है। बिन बिजली के घरों के एसी, कूलर व पंखे नहीं चल पा रहे हैं। इससे बच्चों व बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ रहा है। गर्मी में बच्चे व बुजुर्ग बीमार हो रहे हैं।

इन इलाकों में भी खूब हुई बिजली कटौती

मंगलवार को ट्रांस हिंडन के वसुंधरा, वैशाली, कौशांबी, इंदिरापुरम, लाजपत नगर समेत ज्यादातर इलाकों में खूब बिजली कटौती हुई। दिनभर बिजली का आना-जाना लगा रहा। तमाम शिकायतों के बाद भी लोगों को बिजली कटौती से जूझना पड़ा।

दुनिया की कोई ताकत भारत को विकसित बनने से नहीं रोक सकती... दक्षिण कोरिया में बोले राजनाथ सिंह

● रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दक्षिण कोरिया दौरे पर हैं. सियोल में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के विकास और भविष्य को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अर्थशास्त्री भारत के विकास मॉडल को कल्याणकारी राजनीति का नया उदाहरण मान रहे हैं, जिससे लोगों का जीवन बेहतर हो रहा है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

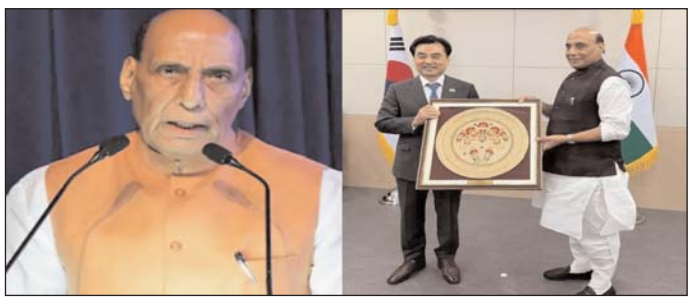

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दक्षिण कोरिया दौरे पर हैं. सियोल में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के विकास और भविष्य को लेकर बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत में हुए परिवर्तन ने यह भरोसा दिलाया है कि देश तेजी से विकसित भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है और दुनिया की कोई ताकत इसे रोक नहीं सकती। उन्होंने कहा कि अर्थशास्त्री भारत के विकास मॉडल को कल्याणकारी राजनीति का नया उदाहरण मान रहे हैं, जिससे लोगों का जीवन बेहतर हो रहा है. राजनाथ ने कहा कि बार-बार किसी नेता, किसी राजनीतिक पार्टी का चुनाव जीतना यह केवल एक राजनीतिक जीत नहीं है, लोगों का विश्वास किस हद तक उस नेता के प्रति है इसका यह स्पष्ट संकेत है और इस दृष्टि से हमारे प्रधानमंत्री मोदी ऐसे नेता बन गए हैं जो लंबे समय तक राष्ट्राध्यक्ष बन गए हैं।

रक्षा साइबर सहयोग को बढ़ावा देने के लिए हुए समझौते

इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सियोल में दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री आन ग्यू बैक से मुलाकात की. दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और तकनीकी सहयोग में साझा प्रतिबद्धता व्यक्त की. उन्होंने भारत-दक्षिण कोरिया रक्षा, रक्षा उद्योग और रणनीतिक सहयोग को और मज़बूत करने पर चर्चा की.सोशल मीडिया पोस्ट में रक्षा मंत्री ने कहा कि इस अत्यंत उपयोगी बैठक में दोनों देशों ने रक्षा साइबर सहयोग को बढ़ावा देने के लिए समझौतों का आदान-प्रदान किया. यह समझौता ज्ञापन भारत के राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय, कोरिया राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना सहयोग के बीच हुआ। रक्षा मंत्री ने कहा कि वह दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं।

बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

इससे पहले, राजनाथ सिंह ने राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी. रक्षा मंत्री ने कहा कि उनका साहस, समर्पण और देशभक्ति की भावना प्रेरणा का शाश्वत स्रोत बनी रहेगी. उन्होंने कहा कि भारत अपने नायकों की विरासत का सम्मान करने में दक्षिण कोरिया के साथ एकजुटता से खड़ा है।

दिल्ली सरकार की लॉन्च की 'सपनों की उड़ान', दिल्ली टैलेंट हंट योजना में 25 हजार युवाओं की प्रतिभा को मिलेगा मंच

दिल्ली सरकार ने युवाओं की छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने के उद्देश्य से 'दिल्ली टैलेंट हंट योजना' शुरू की है। इस योजना को 'सपनों की उड़ान' नाम दिया गया है। योजना के तहत राजधानी के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। योजना के शुभारंभ के दौरान रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार लगातार इस दिशा में काम कर रही है ताकि दिल्ली के युवा अपनी क्षमता, रचनात्मकता और मेहनत के दम पर नई पहचान बना सकें। सरकार के अनुसार इस योजना में करीब 25 हजार युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रतिभागियों को गायन, नृत्य, रंगमंच, ललित कला, डिजिटल कला, वाद्य संगीत और संगीत रचना जैसे क्षेत्रों में मंच उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा और संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। सरकार का कहना है कि योजना के माध्यम से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ आगे बढ़ने और करियर के नए अवसर प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

क्या 'धुरंधर-2' में सेना के ऑपरेशन की जानकारी उजागर हुई?

● दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार और सीबीएफसी से मांगा जवाब

दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र और सीबीएफसी को रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2' के खिलाफ आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार और (सीबीएफसी) को निर्देश दिया कि वे अभिनेता रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर: द रिवेंज (धुरंधर 2) के खिलाफ लगाए गए गंभीर आरोपों की जांच करें। याचिका में दावा किया गया है कि फिल्म में भारतीय सशस्त्र बलों के ऑपरेशनों से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां दिखाई गई हैं, जिससे देश की सुरक्षा और अखंडता को खतरा हो सकता है।

गोपनीय सूचनाएं सार्वजनिक करने का आरोप

यह जनहित याचिका सशस्त्र सीमा बल के हेड कांस्टेबल दीपक कुमार ने दायर की है। उन्होंने अदालत से कहा कि फिल्म में कुछ सैन्य अभियानों के स्थान, उच्च पदस्थ अधिकारियों और शहीद सैन्यकर्मियों से मिलते-जुलते पात्रों को इतने स्पष्ट तरीके से दिखाया गया है कि इससे गोपनीय सूचनाएं सार्वजनिक हो सकती हैं। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की खंडपीठ ने कहा कि भले ही फिल्म काल्पनिक हो और मनोरंजन के उद्देश्य से बनाई गई हो, लेकिन सुरक्षा बल के एक कर्मी द्वारा उठाई गई चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अदालत ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और सीबीएफसी को निर्देश दिया कि वे याचिका को एक प्रतिनिधित्व के रूप में स्वीकार करें और यह जांचें कि क्या फिल्म ने ऑफिस सीक्रेट्स एक्ट के प्रावधानों का उल्लंघन किया है। कोर्ट ने कहा, 'फिल्म भले ही काल्पनिक हो, लेकिन उसके प्रभाव से इनकार नहीं किया जा सकता।'

राष्ट्रीय सुरक्षा पर खतरा

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि फिल्म में दिखाए गए कुछ दृश्य और पात्र वास्तविक सैन्य अभियानों से काफी मिलते-जुलते हैं, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। गौरतलब है कि आदित्य धर के निर्देशन में बनी धुरंधर और धुरंधर 2 दोनों ही बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफल रही हैं। दोनों फिल्मों ने 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया है और दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों से भी सराहना प्राप्त की है।

दिल्ली-NCR समेत यूपी के कई जिलों में चलेगी भीषण लू, 25 मई तक IMD का ऑरेंज अलर्ट

● राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी है। मौसम विभाग ने 25 मई तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसमें दिल्ली में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है और लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर के कई जिलों में भीषण गर्मी का दौर जारी है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक लू और भीषण लू चलने की चेतावनी जारी करते हुए 25 मई तक ऑरेंज अलर्ट घोषित किया है। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों को घर से बाहर निकलते समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

यूपी के भी इन जिलों में भीषण लू की चेतावनी

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर प्रदेश के अलीगढ़, भदोही, एटा, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, हाथरस, कानपुर नगर, मैनपुरी, मथुरा और मिर्जापुर में कई स्थानों पर लू से लेकर भीषण लू चलने की संभावना है।

दिल्ली में 45 डिग्री तक पहुंच सकता है तापमान

दिल्ली में गर्मी लगातार तेज होती जा रही है। पूरे सप्ताह राजधानीवासियों को झुलसाने वाली गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। बुधवार को न्यूनतम तापमान 28.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार दिनभर आसमान साफ रहेगा और तेज धूप निकलेगी। इसके साथ ही गर्म हवा के थपेड़े लोगों की परेशानी बढ़ाएंगे।

25 मई तक ऑरेंज अलर्ट

आईएमडी ने दिल्ली के लिए 25 मई तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसका मतलब है कि मौसम की स्थिति स्वास्थ्य पर असर डाल सकती है, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों के लिए।

सिलापथार चीली में भयानक रेल हादसे बचे सोमू भरे यात्री

असम धेमाजी। असम धेमाजी जिले की चीली में भयानक रेल हादसे बाल बाल बचे यात्री भरे टाटा सोमू वाहन। खबर अनुसार उन्मुक्त रेल क्रॉसिंग में एक यात्री भरे टाटा सोमू ने चीली में रेल लाइन पार करते समय लाइन के बीच में फस गया। उसी समय मूरकोंग सेलेक से सिलापथार की ओर आ रही तीव्रगती वाली ट्रेन को स्थानीय लोगों ने देखकर ट्रेन रखने की सिगनल दिया । ट्रेन चालक ने दूर से ट्रेन की गती कम कर ट्रेन को क्रॉसिंग के पास रख दिया। लोगों ने मिलकर तुरंत टाटा सोमू को ट्रेन लाइन से बाहर निकलकर एक भयानक हादसे से बचा लिया। ट्रेन को रखने के लिए लोगों ने ट्रेन के पायलट के मनवाता ओर उदारता के लिए आभार व्यक्त किया। घटना के बाद इलाके में आज इस विषय पर सामाजिक माध्यम पर मिश्रित चर्चा होते हुए दिखाई दे रहे है।

वैभव सूर्यवंशी ने 7 प्लेयर्स को पछाड़कर फिर से ऑरेंज कैप पर जमाया कब्जा

● राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 93 रन की शानदार पारी खेलकर ऑरेंज कैप पर कब्जा कर लिया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राजस्थान रॉयल्स के युवा सेंसेशन वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर से नंबर-1 की स्पॉट पर कब्जा जमा लिया है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए मैच में राजस्थान रॉयल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स पर 7 विकेट से जीत दर्ज की। 221 रन के टारगेट का पीछा करते हुए 15 साल के वैभव ने 93 रन की आतिशी पारी खेली और इस पारी के बाद उन्होंने सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट यानी ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाया। इससे पहले लखनऊ की ओर से पहली पारी में मिचेल मार्श ने 96 रन बनाए थे और उन्होंने ऑरेंज कैप की टॉप पोजीशन हासिल की थी, लेकिन कुछ ही घंटे बाद वैभव ने उनसे ऑरेंज कैप छीन ली।

वैभव के सिर सजी हैं ऑरेंज कैप

दरअसल, मिचेल मार्श ने लखनऊ के लिए खेलते हुए आरआर के खिलाफ 96 रन की शानदार पारी खेली और इस पारी के साथ ही उन्होंने आईपीएल 2026 में 13 पारी खेलने के बाद 563 रन बना लिए हैं। उन्होंने पहली पारी के दौरान ऑरेंज कैप पर कब्जा जमा लिया था, लेकिन सूर्यवंशी ने शानदार पारी खेलकर अपनी ऑरेंज कैप की टैली को 579 रन तक पहुंचाया और ऑरेंज कैप पर कब्जा किया। इस मैच से पहले वैभव सूर्यवंशी 8वीं पोजीशन पर थे, लेकिन लखनऊ के खिलाफ 93 रन की पारी खेलकर उन्होंने 7 बैटर्स को पछाड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। इतना ही नहीं, आआर के युवा ओपनर ने जिस तरह से रन बनाए, उसकी खूब चर्चा हो रही है। उन्होंने 236.32 के स्ट्राइक रेट से इस सीजन रन बटोरे है, जो कि आईपीएल इतिहास का सबसे बेस्ट रिकॉर्ड है। साथ ही उन्होंने किसी एक आईपीएल सीजन में 53 सिक्स लगाकर इतिहास रचा।

ऐसा करने वाले वो पहले भारतीय बैटर बने हैं। अब उनकी नजरें आईपीएल के किसी एक सीजन में सर्वाधिक सिक्स लगाने के क्रिस गेल (59) के ऑलटाइम रिकॉर्ड पर नजरें हैं।

अजय देवगन और अक्षय कुमार साथ में मचाएंगे धमाल, रोहित शेट्टी की बड़ी प्लानिंग

● इस वक्त कई पॉपुलर फ्रेंचाइजी के अगले इंस्टॉलमेंट पर काम चल रहा है. जिनमें से कुछ इसी साल सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हैं. तो कुछ अगले साल के लिए अभी से शेड्यूल कर दी गई हैं. इस लिस्ट में अजय देवगन और रोहित शेट्टी की 'गोलमाल 5' शामिल हैं. जिस पर फिलहाल काम चल रहा है. इसी बीच रोहित शेट्टी ने बड़ी प्लानिंग कर ली है. अजय और अक्षय अब गोवा में क्या करेंगे?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

एक तरफ अजय देवगन हैं, तो दूसरी ओर अक्षय कुमार... दोनों का काम करने का स्टाइल एक जैसा है. साल भर में 4-5 फिल्में रिलीज कर देते हैं. वहीं, सुपरफास्ट स्पीड से काम करते हैं. साथ ही कॉमेडी, एक्शन, ड्रामा समेत सभी जॉनर की फिल्मों में दिखते हैं. इस साल दोनों की दो बार बॉक्स ऑफिस पर टक्कर देखने को मिलेगी, जिस वजह से कई दिनों से चर्चा में हैं. पर फिलहाल साथ-साथ काम कर रहे हैं. जी हां, रोहित शेट्टी की 'गोलमाल 5' में अजय देवगन और अक्षय कुमार एक साथ हैं. जिनकी ऑफिशियल तौर पर फिल्म में एंट्री हो चुकी है. साथ ही 'गोलमाल 5' का शूट शुरू हो चुका है, जो अगले साल रिलीज होगी. अब जानिए गोवा में क्या होगा? अजय देवगन की अबतक इस साल कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई है. जी हां, 'धमाल 4' के साथ ही एक्टर शुरुआत करने वाले हैं. जिसके बाद 'रेंजर' समेत कुछ और फिल्में भी लाएंगे. वहीं, दूसरी ओर अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' आ चुकी है. जबकि, उन्होंने 'वेलकम टू द जंगल' की तैयारी भी शुरू कर दी है. इसके अलावा 2 और फिल्में लाइन में हैं, जो इसी साल रिलीज होंगी. फिलहाल गोलमाल 5 का अपडेट बता देते हैं।

'गोलमाल 5' को लेकर क्या अपडेट आया?

हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट पर रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि 'गोलमाल 5' का अगला बड़ा शेड्यूल जून के तीसरे हफ्ते से शुरू होने की उम्मीद है. फिलहाल मेकर्स ने फिल्म का अब तक का सबसे बड़ा हिस्सा प्लान किया है, जो कि गोवा में होगा. साथ ही इसमें फ्रेंचाइजी के लड़कों के ग्रुप से जुड़े कुछ अहम कॉमेडी सीन भी होंगे. दरअसल इस दौरान अजय देवगन और अक्षय कुमार के भी टीम में शामिल होने की उम्मीद है। कहा जा रहा है कि मेकर्स ने पूरी कास्ट के साथ एक शानदार डांस सीक्वेंस भी प्लान किया है। जहां मेकर्स का हर शेड्यूल में फिल्म की कहानी पर फोकस है, तो गानों पर भी खास जोर रहेगा। दरअसल गोलमाल 5 की टीम एकदम नए फेज में कदम रखने जा रही है. क्योंकि अब फाइनली गोवा का शूट शुरू होने जा रहा है. वैसे यह लोकेशन लंबे वक्त से गोलमाल फ्रेंचाइजी का हिस्सा रही हैं. जहां पहले भी फिल्म के शूट होते रहे हैं. इस बार फिल्म में अजय देवगन, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, कुणाल खेमू काम करते दिख रहे हैं। साथ ही अक्षय कुमार की भी एंट्री हुई है. इस फिल्म को एक ऐसी कॉमेडी के तौर पर बनाया जा रहा है, जो कन्फ्यूजन, दोस्ती और जिंदगी से भी बड़े मजेदार हालात के इर्द-गिर्द घूमती है।

कर्नल हिमांशु 5 दिन की सीबीआई रिमांड पर

● 50 लाख की रिश्वत लेकर घटिया गुणवत्ता वाले प्रोडक्ट्स मंजूर करने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने 50 लाख रुपये रिश्वत मामले में गिरफ्तार सेना के आयुध कोर के कर्नल हिमांशु को बुधवार को सीबीआई की विशेष अदालत में पेश किया। सुनवाई के बाद अदालत ने आरोपित कर्नल को पांच दिनों की सीबीआई रिमांड पर भेज दिया है। सीबीआई के मुताबिक, कर्नल हिमांशु कोलकाता स्थित पूर्वी कमान में तैनात थे। उन पर कानपुर की एक निजी कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए निविदा प्रक्रिया में हेरफेर करने, घटिया गुणवत्ता वाले उत्पादों को मंजूरी देने और लंबित व बढ़े हुए बिलों के भुगतान को आसान बनाने का आरोप है। जांच एजेंसी के अनुसार, मामले में दर्ज एफआईआर में कहा गया है कर्नल हिमांशु ने एक उद्योगपति से रिश्वत के लिए संपर्क किया था। आरोप है कि रुपये लेकर कंपनी के घटिया उत्पादों को मंजूरी दी गई और सैन्य खरीद प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी की गई। सीबीआई अधिकारियों के मुताबिक, शुरुआती जांच में रिश्वत के एवज में 50 लाख रुपये की डील के संकेत मिले हैं। इसी आधार पर एजेंसी ने मामला दर्ज कर कार्रवाई करते हुए कर्नल को गिरफ्तार किया। अब सीबीआई रिमांड के दौरान एजेंसी आरोपित से पूछताछ कर रिश्वत लेनदेन, निविदा प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी और अन्य संबंधित लोगों की भूमिका की जांच करेगी।

गाजियाबाद के सूर्यनगर में गंदे पानी से लोग परेशान, समाधान की मांग

साहिबाबाद। डेल्टा कॉलोनी के सूर्यनगर के लोग दूषित पानी की आपूर्ति से परेशान हैं। बुधवार सुबह भी यहां दूषित पानी की आपूर्ति हुई। लोगों का कहना है कि शिकायत के बाद भी समाधान नहीं किया जा रहा है। स्थानीय निवासी जैनेंद्र चौहान व राकेश शर्मा ने बताया कि माह में आठ से 10 दिन गंदे पानी की आपूर्ति होती है। इससे टंकी में जो पानी पहले से स्टोर होता है भी गंदा हो जाता है। इसके बाद टंकी की सफाई करानी पड़ती है।

इस पर 400 से 500 रुपये खर्च होते हैं। वहीं पीने के लिए दुकानों से बोतलबंद पानी खरीदना पड़ता है। जलकल विभाग में कई बार शिकायत की गई है, लेकिन हर बार आश्वासन मिलता है।

दिल्ली के वेलकम इलाके में एक युवक की हत्या से सनसनी

● दिल्ली के वेलकम पुलिस स्टेशन क्षेत्र के केशव चौक के पास एक व्यक्ति की हत्या की घटना सामने आई है। पुलिस और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। वेलकम थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात बदमाशों ने 22 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान अमानुल्लाह कुरैशी पुत्र मोहम्मद तस्लीम निवासी गुरुद्वारा मोहल्ला, मौजपुर के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक, श्याम लाल कॉलेज के पास फायरिंग की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि घायल अमानुल्लाह को स्वजन पहले ही गुरु तेग बहादुर अस्पताल लेकर गए थे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना के बाद फॉरेंसिक टीम ने मौके का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने वेलकम थाने में हत्या समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। फिलहाल हत्या के पीछे के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

दिल्ली में वकीलों की हड़ताल पर अदालतों का एक्शन, कोर्ट का समय बर्बाद करने पर ठोका जुर्माना; चेतावनी भी जारी

● जिला अदालतों में वकीलों की हड़ताल के दौरान कई अदालतों ने स्थगन से इनकार करते हुए सख्त रुख अपनाया। न्यायिक समय बर्बाद करने पर पक्षकारों पर 2 हजार से 30 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया गया, जिसमें पटियाला हाउस कोर्ट का एक मामला भी शामिल है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। जिला अदालतों में सोमवार को वकीलों की हड़ताल के बीच कई अदालतों ने मामलों में स्थगन देने से इनकार करते हुए सख्त रुख अपनाया। विभिन्न अदालतों ने गैरहाजिरी और कार्यवाही में देरी को लेकर पक्षकारों पर दो हजार रुपये से लेकर 30 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया। अदालतों ने आदेशों में कहा कि हड़ताल के कारण न्यायिक समय की बर्बादी और असुविधा हुई है। ऐसे ही एक मामले पटियाला हाउस स्थित जिला सत्र न्यायाधीश धर्मेंद्र राणा ने एक पक्ष पर 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

समयबद्ध सुनवाई के मामलों में नहीं आए वकील

अदालत ने कहा कि मामला समयबद्ध सुनवाई वाला है और दिल्ली हाई कोर्ट के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद शुरू में प्रतिवादी की ओर से कोई पेश नहीं हुआ। बाद में एक प्रॉक्सी वकील अदालत में उपस्थित हुआ, जब अदालत प्रतिकूल आदेश पारित करने वाली थी। मामले में वादी पक्ष के वकील ने स्थगन की मांग का विरोध करते हुए कहा कि हाई कोर्ट के निर्देशों के बावजूद प्रतिवादी की ओर से कोई उपस्थित नहीं हुआ। हालांकि अदालत ने प्रतिकूल आदेश पारित करने के बजाय मामले को 30 मई तक के लिए स्थगित कर दिया, लेकिन प्रतिवादी पर 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

बेवजह नहीं टाली जाएगी सुनवाई

यह राशि नई दिल्ली जिला के लॉयर्स वेलफेयर फंड में जमा कराने का निर्देश दिया गया। अदालत ने साथ ही चेतावनी दी कि आगे किसी भी पक्ष को अनावश्यक स्थगन नहीं दिया जाएगा। दरअसल, दिल्ली बार कोऑर्डिनेशन कमेटी के आह्वान पर जिला अदालतों में सोमवार को वकीलों ने हड़ताल की थी।

यह हड़ताल 17 मई को दिल्ली ज्यूडिशियल सर्विसेज एसोसिएशन के उस पत्र के बाद शुरू हुई। जिसमें रोहिणी कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और एक न्यायाधीश के बीच हुई बहस का वीडियो गुप्त रूप से रिकॉर्ड कर वायरल किए जाने की निंदा की गई थी। विवाद के बाद संबंधित न्यायाधीश को न्यायिक अकादमी से संबद्ध कर उन्हें पद से हटा दिया गया था।